सत्यमेव जयते

भारत की जनगणना 2001

श्रृंखला-32

लक्षद्वीप

जनसंख्या के अनन्तिम आँकड़े

2001 का पेपर-2
ग्रामीण-नगरीय वितरण

भारत की जनगणना 2001 CENSUS OF INDIA
लोकाभिमुख
PEOPLE ORIENTED

जनगणना कार्य निदेशालय, लक्षद्वीप

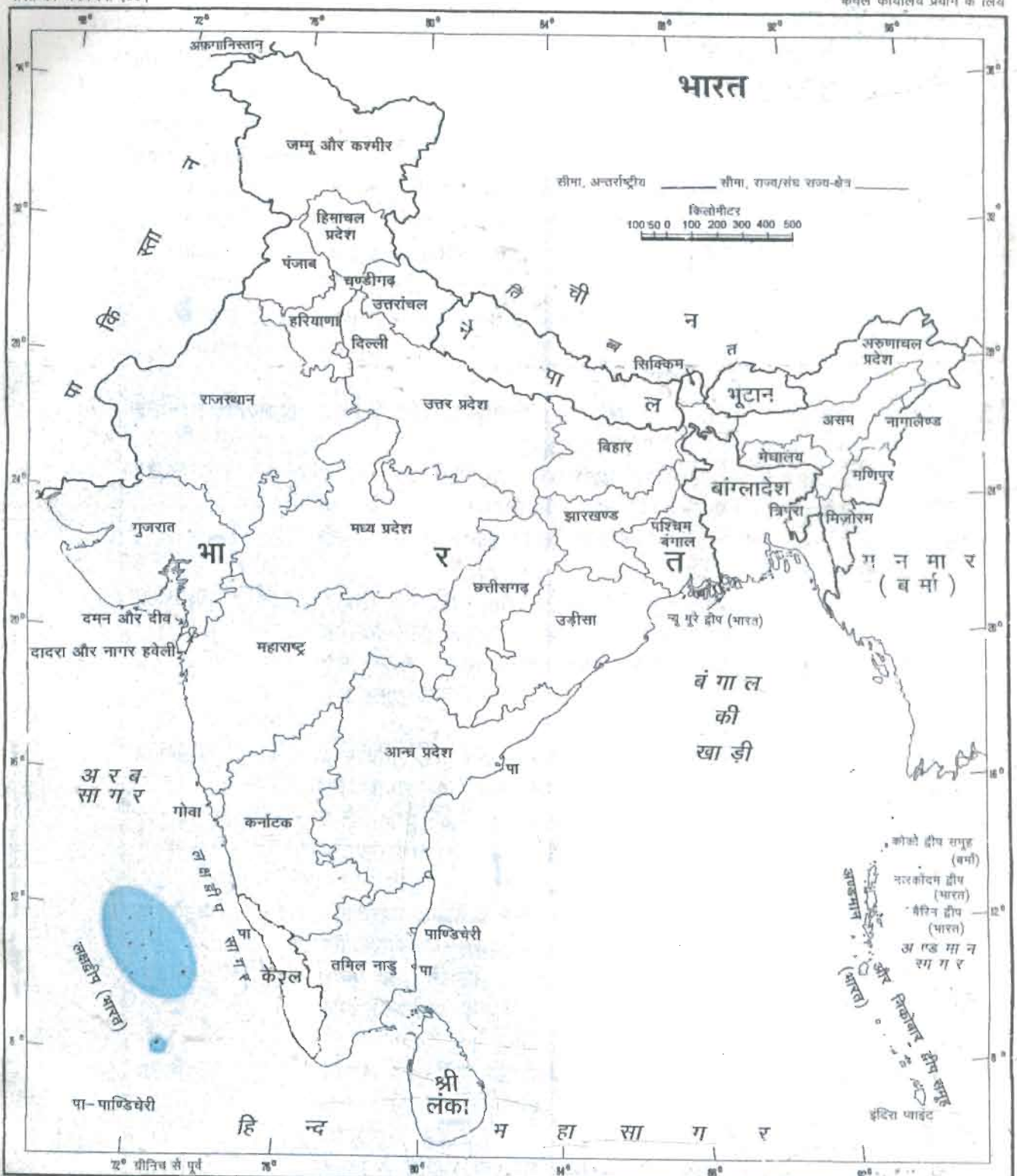

भारत के महासर्वेक्षक की अनुज्ञानुसार भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर आधारित।

इस मानचित्र में अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय के मध्य में दर्शाई गई अंतर्राज्य सीमा, उत्तरी पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 के निर्धारणानुसार दर्शित है, परन्तु अभी सत्यापित होनी है।

समुद्र में भारत का जलक्षेत्र, उपलब्ध आधार- रेखा से मापने गए बारह समुद्री मील की दूरी तक है।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार, 2004

विषय वस्तु

		पृष्ठ
प्रस्तावना		7
अभिस्वीकृतियाँ		8
आँकड़े एक दृष्टि में		9
जनगणना 1991 और 2001 के दौरान लक्षद्वीप		11
विश्लेषणात्मक टिप्पणी		15
अध्याय-1 :	भूमिका	17
अध्याय-2 :	ग्रामीण नगरीय जनसंख्या वितरण	21
अध्याय-3 :	दशकीय जनसंख्या वृद्धि	31
अध्याय-4 :	लिंग अनुपात	37
अध्याय-5 :	शिशु जनसंख्या (0-6 आयु वर्ग)	39
अध्याय-6 :	साक्षरता	43
अनन्तिम जनसंख्या सारणियाँ और विवरणियाँ		45
सारणी-1 :	आवास एवं लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या और साक्षर-संघ राज्य क्षेत्र जिला, न.स/नगर/कस्बा-2001	47
सारणी-2 :	आवास एवं लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या और साक्षर-संघ राज्य क्षेत्र, जिला, सामुदायिक विकास खण्ड और द्वीप समूह-2001	48
सारणी-3 :	कुल जनसंख्या प्रति नगरीय जनसंख्या प्रतिशत एवं आवास वार दशकीय वृद्धि का प्रतिशत, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का प्रतिशत-संघ राज्य क्षेत्र और जिला, 2001	49
सारणी-4 :	जनसंख्या का लिंग-अनुपात और 0-6 आयु वर्ष की शिशु जनसंख्या का लिंग अनुपात-संघ राज्य क्षेत्र, जिला, सामुदायिक विकास खण्ड और द्वीपसमूह, 2001	50
सारणी-5 :	निवास और लिंग वार साक्षरता दर-संघ राज्य क्षेत्र जिला, सामुदायिक विकास खण्ड और द्वीपसमूह, 2001	51
सारणी-6 :	राज्य में आकार वर्ग वार न.स.नगर एवं कस्बे-लिंग वार जनसंख्या, 1991-2001 दशकीय वृद्धि का प्रतिशत, लिंग अनुपात, साक्षरता, संघ राज्य क्षेत्र में आकार वर्ग वार न.स, नगर एवं कस्बे, 2001	52

सारणी 6 का परिशिष्ट-1	:	लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या और साक्षर वर्णानुक्रम में क्रमबद्ध स्वतंत्र नगर और कस्बे, 2001	53
सारणी-6 का परिशिष्ट-2	:	2001 में अवर्गीकृत 1991 के कस्बों और 2001 में अन्य कस्बों के साथ जोडे गये 1991 के कस्बों की सूची	54
सारणी-7	:	नगरीय जनसंख्या की वृद्धि, 1981-2001	55
विवरणी-1	:	जनसंख्या का ग्रामीण-नगरीय वितरण-भारत, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, 2001	59
विवरणी-2	:	कानूनी और जनगणना कस्बों की संख्या, 1991 और 2001	62
विवरणी-3	:	नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वार सामुदायिक विकास खण्डों का श्रेणीकरण, 1991 और 2001	62
विवरणी-4		नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ, 1991-2001	63

मानचित्र

1. भारत में लक्षद्वीप की स्थिति-2001 — 3
2. लक्षद्वीप-प्रशासनिक प्रभाग-2001 — 13
3. सामुदायिक विकास खण्डों में ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वितरण 2001 — 29
4. सामुदायिक विकास खण्डों में ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर, 1991-2001 — 35

चार्ट और आरेख

1. संघ राज्य क्षेत्र में ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या वितरण, 1901-2001 — 23
2. सामुदायिक विकास खण्डों में ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या वितरण, 2001 — 27
3. संघ राज्य क्षेत्र में ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या का दशकीय वृद्धि प्रतिशत-1901-2001 — 33

फोटोग्राफ्स — 65

प्रस्तावना

भारत की चौदहवीं दशकीय जनसंख्या की गणना जो इस द्वीप समूह को संघ राज्य-क्षेत्र के रूप पुनर्गठन करने के बाद पाँचवीं है, वह फरवरी-मार्च 2001 के दौरान अन्य राज्यों की जनगणना के साथ-साथ संचालित की गयी थी । इस जनगणना के आधार पर जनगणना कार्य निदेशालय, लक्षद्वीप ने एक ''डाटा-षीट'' और ''2001 का पेपर-1'' नामक एक प्रकाशन का विमोचन किया था जिसमें इस संघ राज्य-क्षेत्र से संबंधित सामुदायिक विकास खण्ड स्तर तक के अनंतिम जनसंख्या आंकड़े प्रस्तुत है । अब हम एक और प्रकाशन याने ''पेपर-2-2001-जनसंख्या के अनंतिम आंकड़े नगरीय और ग्रामीण जनसंख्या वितरण'' प्रस्तुत करते हैं । इस पेपर में जनसंख्या का वितरण, जनसंख्या की वृद्धि दर, 0-6 आयु की शिशु जनसंख्या, लिंग अनुपात एवं नगरीय और ग्रामीण क्षेत्र की साक्षरता जैसे विषयों के अनंतिम आंकड़े सारणियाँ, मानचित्र, चार्ट एवं आरेख तथा संक्षिप्त विश्लेषण की सहायता से प्रस्तुत किये गये हैं ।

इस द्वीप की जनगणना कार्य की सफलता केलिए मेहनत किये लक्षद्वीप प्रशासन के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रति जो भारत की जनगणना 2001 केलिए तैनात किये गये थे और इस संघ राज्य क्षेत्र की आम जनता के सहयोग केलिए मैं अपनी कृतज्ञता अभिव्यक्त करता हूँ ।

इस प्रकाशन की मुख्य सारणियाँ, विवरणियाँ एवं मसौदे आदि की तैयारी एवं हस्तलेख का संकलन इस निदेशालय के तकनीकी विभाग ने किया था । इस पेपर के प्रकाशन केलिए सहयोग दिये तकनीकी अनुभाग के कर्मचारियों के प्रति मैं अपना आभार अदा करता हूँ ।

अपनी व्यस्तता के बावजूद, भारत की जनगणना 2001, पेपर-1, पेपर-2 जैसे अनंतिम जनसंख्या आंकडों का मुद्रण सुचारू रूप से करने केलिए श्री वी.वी.अब्दुल रषीद, प्रबंधक एवं श्री विल्सन जोण, ओवरसियर, लक्षद्वीप सरकारी प्रेस, कवरत्ती के प्रति मेरी कृतज्ञता अर्पित करता हूँ ।

श्री जयंत कुमार बांठिया, भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त और भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को उनके समय-समय पर दिये गये बहुमूल्य मार्गदर्शन, सुझाव एवं सहायता केलिए हार्दिक कृतज्ञता अदा करता हूँ ।

कटमत्त्
01.02.2002

(मल्लिकार्जुना)
उप निदेशक, जनगणना कार्य

अभिस्वीकृतियाँ

(इस प्रकाशन से सहयोग प्राप्त)

उप निदेशक	: श्री मल्लिकार्जुना
तकनीकी अनुभाग	
सांख्यिकीय अन्वेषक ग्रेड-I	: श्री ए.वी.औसेफ
सांख्यिकीय अन्वेषक ग्रेड-III	: श्री टी.पी.अब्दुल्लकोया
प्रारूपकार	: श्री शशिकान्त मेहता
वरिष्ठ संकलक	: श्री किटाव
संकलक	: श्री एम.मुत्तुकोया श्री टी.अब्दुल जब्बार
सहायक संकलक	: श्री पी.के.मोहनन
प्रशासनिक अनुभाग	
कार्यालय अधीक्षक	: श्री के.राजेन्द्र बाबु

हिन्दी रूपान्तर

एन.मुरलीधरन नायर	स.निदेशक (रा.भा.) जनगणना कार्य निदेशालय,केरल
एस.गिरिजा	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक जनगणना कार्य निदेशालय,केरल
एम.सी.सिमी	हिन्दी टंकक जनगणना कार्य निदेशालय,केरल

भारत की जनगणना 2001
लक्षद्वीप
आँकड़े एक दृष्टि में
(अनन्तिम)

		कुल	ग्रामीण	नगरीय
1. जनसंख्या	व्यक्ति	60,595	33,647	26,948
	पुरुष	31,118	17,196	13,922
	स्त्रियाँ	29,477	16,451	13,026
2. 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या	व्यक्ति	8,860	5,434	3,426
	पुरुष	4,488	2,704	1,784
	स्त्रियाँ	4,372	2,730	1,642
3. कुल जनसंख्या प्रति शिशु जनसंख्या का प्रतिशत	व्यक्ति	14.62	16.15	12.71
	पुरुष	14.42	15.72	12.81
	स्त्रियाँ	14.83	16.59	12.61
4. क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी)		32.00	21.41	10.59
5. दशकीय वृद्धि दर का प्रतिशत (1991-2001)		17.19	48.93	-7.44
6. जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग कि.मी)		1,894	1,572	2,545
7. कुल जनसंख्या प्रति लिंग अनुपात		947	957	936
8. 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का लिंग अनुपात		974	1,010	920
9. साक्षर (7 वर्ष और उसके ऊपर)	व्यक्ति	45,281	24,372	20,909
	पुरुष	24,806	13,414	11,392
	स्त्रियाँ	20,475	10,958	9,517
10. साक्षरता दर	व्यक्ति	87.52	86.39	88.89
	पुरुष	93.15	92.56	93.85
	स्त्रियाँ	81.56	79.86	83.60

जनगणना 1991 और 2001 के दौरान
लक्षद्वीप

		1991	2001
1.	जिले की संख्या	1	1
2.	सामुदायिक विकास खण्डों की संख्या	9	9
3.	द्वीप समूहों की संख्या	27	27
	आवासीय	11	11
	गैर-आवासीय	16	16
4.	जनगणना कस्बों की संख्या	4	3
5.	जनसंख्या	51,707	60,595
6.	शिशु जनसंख्या (0-6)	9,464	8,860
7.	कुल जनसंख्या प्रति शिशु जनसंख्या का प्रतिशत	18.30	14.62
8.	दशकीय जनसंख्या वृद्धि का प्रतिशत	28.47	17.19
9.	वार्षिक अधिक्रमी वृद्धि दर	2.50	1.59
10.	जनसंख्या घनत्व (प्रति वर्ग कि.मी)	1616	1894
11.	नगरीय जनसंख्या	29,114	26,948
12.	नगरीय जनसंख्या प्रतिशत	56.31	44.47
13.	दशकीय जनसंख्या वृद्धि (नगरीय)	56.28	-7.44
14.	वार्षिक अधिक्रमी वृद्धि दर (नगरीय)	4.46	-0.77
15.	लिंग अनुपात	943	947
16.	लिंग अनुपात-शिशु जनसंख्या याने (0-6)	941	974
17.	साक्षरता दर	81.78	87.52

भारत की जनगणना 2001 में लक्षद्वीप की स्थिति

1. देश की कुल जनसंख्या का भाग : 0.01 % (60,595)
2. जनसंख्या की वृद्धि दर में स्थिति : 29वीं (17.19%)
3. घनत्व की श्रेणी : चौथा (1894)
4. लिंग अनुपात की श्रेणी : 14वीं (947)
5. साक्षरता की श्रेणी

व्यक्ति : तीसरा (87.52%)

पुरुष : दूसरा (93.15%)

स्त्रियॉं : तीसरा (81.56%)

भारत की जनगणना 2001 में लक्षद्वीप की स्थिति

1. देश की कुल जनसंख्या का भाग : 0.01 % (60,595)
2. जनसंख्या की वृद्धि दर में स्थिति : 29वीं (17.19%)
3. घनत्व की श्रेणी : चौथा (1894)
4. लिंग अनुपात की श्रेणी : 14वीं (947)
5. साक्षरता की श्रेणी

व्यक्ति : तीसरा (87.52%)

पुरुष : दूसरा (93.15%)

स्त्रियाँ : तीसरा (81.56%)

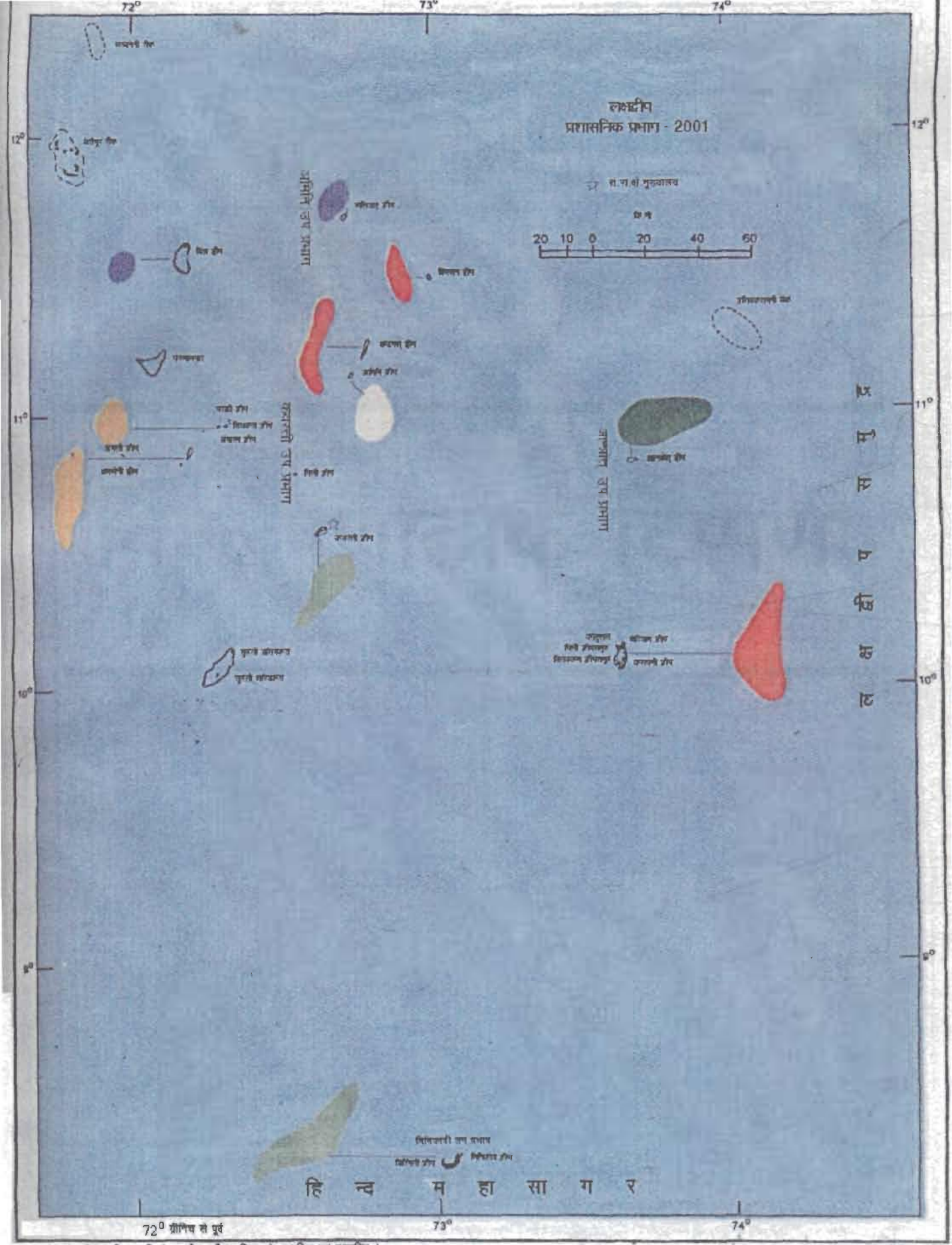

भारत के महासर्वेक्षक की अनुमति से मानचित्र सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर आधारित ।
समुद्र में भारत का जलक्षेत्र उपर्युक्त आधार रेखा से माप गए बारह समुद्री मील की दूरी तक है ।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार, 2001

विश्लेषणात्मक टिप्पणी

अध्याय-1

भूमिका

संघ राज्य क्षेत्र लक्षद्वीप समूह से संबंधित भारत की जनगणना 2001 के अनन्तिम आँकड़ों का सार पहली बार ''डेटा शीट'' के रूप में और उसके बाद पेपर-1-2001 के नाम से अन्य राज्यों/संघ राज्यों के साथ प्रकाशित किये गये । यद्यपि उस पेपर में मुख्यतः कुल जनसंख्या का वितरण और उसकी मुख्य विशेषताएं याने दशकीय जनसंख्या परिवर्तन, लिंग अनुपात, जनसंख्या घनत्व और लिंग वार साक्षरता आदि के बारे में छोटे छोटे विश्लेषण के साथ प्रस्तुत की गयी थी, वर्तमान पेपर याने ''2001 का पेपर-2'' जनसंख्या के ग्रामीण- में नगरीय गठन और उसकी मूल विशेषताओं से संबंधित आंकड़े प्रतिपदित हैं ।

दूसरी श्रेणी की यह हस्त पुस्तिका जनसंख्या के अनन्तिम आँकड़े 2001 के पेपर-1 की अनुवर्ती है । इस पेपर की एक विशेष बात यह है कि द्वीप स्तर तक के आंकड़े प्रस्तुत हैं । शिशु जनसंख्या याने 0-6 आयु वर्ग के शिशुओं की जनसंख्या में उनके लिंग अनुपात, दशकीय वृद्धि दर आदि का विश्लेषण किया गया है । इस पेपर में दिये गये आँकड़े अनन्तिम हैं और तीव्र सारणीकरण के कारण उनकी उत्तराधिकार स्वभाव से प्राप्त कुछ परिसीमायें भी हो सकती हैं । ''इमेज बेसड् डाटा काप्चेरिंग टेक्नोळजी'' द्वारा परिवार अनुसूचियों के संसाधन के बाद अन्तिम आँकड़े प्राप्त हो जायेंगे । जनसंख्या के अन्तिम आँकड़े तैयार हो जाने तक आँकड़े प्रयोक्ताओं के हित में ये अनन्तिम आंकड़े प्रकाशित किये जाते हैं ।

भारत की जनगणना-2001 के प्रकाशनों की एकरूपता को ध्यान मे रखते हुए लक्षद्वीप के जनगणना के अनन्तिम आंकड़े पेपर-2 के ढांचे में निम्न सूचित मूल सारणियाँ शामिल की गयी हैं ।

सारणी-1	:	आवास एवं लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या और साक्षर-संघ राज्य क्षेत्र, जिला, न.स/नगर/कस्बा, 2001
सारणी-2	:	आवास एवं लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु वर्ग में शिशु जनसंख्या और साक्षर-संघ राज्य क्षेत्र, जिला, सामुदायिक विकास खण्ड और द्वीप समूह-2001
सारणी-3	:	कुल जनसंख्या प्रति नगरीय जनसंख्या प्रतिशत एवं आवास वार दशकीय वृद्धि का प्रतिशत, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का प्रतिशत-संघ राज्य क्षेत्र और जिला, 2001
सारणी-4	:	जनसंख्या का लिंग अनुपात और 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का लिंग अनुपात-संघ राज्य क्षेत्र, जिला, सामुदायिक विकास खण्ड और द्वीप-2001
सारणी-5	:	निवास और लिंग वार साक्षरता दर-संघ राज्य क्षेत्र, जिला, सामुदायिक विकास खण्ड और द्वीप-2001

सारणी-6	:	लिंग वार जनसंख्या, 1991-2001 दशकीय वृद्धि प्रतिशत, लिंग अनुपात, साक्षरता-संघ राज्य क्षेत्र में वर्ग आकार वार नगरीय समूह, नगर और कस्बे-2001
सारणी-6 का परिशिष्ट 1	:	लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या और साक्षर-वर्णानुक्रम में क्रमबद्ध स्वतंत्र नगर और कस्बे, 2001
सारणी-6 का परिशिष्ट-2	:	2001 में अवर्गीकृत 1991 के कस्बे और 2001 में अन्य कस्बों के साथ जोड़े गये 1991 के कस्बों की सूची
सारणी-7	:	नगरीय जनसंख्या की वृद्धि, 1981-2001
विवरणी-1	:	जनसंख्या का ग्रामीण-नगरीय वितरण-भारत/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, 2001
विवरणी-2	:	कानूनी और जनगणना कस्बों की संख्या, 1991 और 2001
विवरणी-3	:	नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वार सामुदायिक विकास खण्डों का श्रेणीकरण, 1991 और 2001
विवरणी-4	:	नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ, 1991-2001

इन सारणियों और विवरणियों से प्रस्तावित आँकड़ों के बारे में मानचित्र और संचित्र की सहायता से विश्लेषणात्मक टिप्पणी में विचार-विमर्श किया गया है ।

जनगणना प्रयोजन के लिए निम्न सूचित प्रकार नगरीय क्षत्रों की परिभाषा स्पष्ट कर दी गयी है ।

(क) जिन स्थानों के नगरपालिका, नगर निगम, छावनी मंडल या अधिसूचित शहरीय क्षेत्र समिति आदि होते हैं, वे सब

(ख) कोई अन्य स्थान जो निम्न सूचित मानदंडों की संतुष्टि प्रदान करती है :

(i) न्यूनतम जनसंख्या 5000 हो

(ii) काम कर रहे पुरुष जनसंख्या का कम से कम 75 प्रतिशत गैर-काश्तकारी कार्यों में लगे हो और

(iii) जनसंख्या घनत्व कम से कम 400 व्यक्ति प्रति वर्ग कि.मी.

वर्ग (क) में दिये गये कस्बे कानूनी कस्बे होते हैं जब कि वर्ग (ख) में प्रस्तावित जनगणना कस्बे नगरीय मापमान के अनुकूल होते हैं । ऐसे जनगणना कस्बे जो जनगणना नगरीय एकक के रूप में वर्गीकृत करके वर्ग (ख) में दिये गये हैं वे राजस्व अभिलेखों में गॉव ही रहेंगे ।

एक नगरीय समूह का मतलब एक कस्बा से व्याप्त नगरीय फैलाव एवं इसकी सामीपवर्ती नगरीय बाह्यवृद्धि (न.बा)या दो या अधिक प्राकृतिक अविरत् कस्बे मिलाकर तथा ऐसे कस्बों की कोई समीपवर्ती नगरीय बाह्यवृद्धि है । रेल बस्तियाँ, विश्व विद्यालय परिसर, पतन क्षेत्र, सैनिक शिविर, कारखाना क्षेत्र आदि बाह्यवृद्धि के उदाहरण होते हैं जो नगर या कानूनी कस्बे की कानूनी सीमा के बाहर विकसित लेकिन राजस्व गॉव या गॉवों की सीमा में स्थित नगरीय या शहरीय फैलाव हो ।

अतः एक नगरीय समूह मानेः

(i) एक नगर या कस्बा जिसकी क्रमानुगत बाह्यवृद्धि हो, जो कानूनी सीमाओं के बाहर मगर समीपवर्ती गॉव या गॉवों की सीमाओं में स्थित हो, या

(ii) अपनी-अपनी बाह्यवृद्धियाँ, अगर कोई है तो, उन के साथ दो या अधिक समीपवर्ती कस्बे जैसे उपर्युक्त (i) में है, या

(iii) एक नगर और एक या अधिक समीपवर्ती कस्बे जिनकी ऐसी बाह्यवृद्धियाँ हो या न हो मगर क्रमानुगत फैलाव रहे ।

नगरीय एककों को विश्लेषण के प्रयोजन के लिए निम्न प्रकार के छह श्रेणी में विभाजित किया गया है ।

आकार वर्ग	जनसंख्या
श्रेणी-I	10,000 और उस से अधिक (सामान्यतः नगर माना जाता है)
श्रेणी-II	50,000 से 99,999 तक
श्रेणी-III	20,000 से 49,999
श्रेणी-IV	10,000 से 19,000
श्रेणी-V	5,000 से 9,999
श्रेणी-VI	5000 से कम

लक्षद्वीप के संबंध में यह सच है कि इस संघ राज्य क्षेत्र में कोई नगर या कानूनी कस्बे या नगरीय समूह नहीं होते । भारत की जनगणना 2001 के अनुसार वहाँ के नागरिक स्थिति गैर-नगरपालिका (गै.न) सहित तीन जनगणना कस्बे होते हैं । जनगणना 1971 तक इस संघ राज्य क्षेत्र का संपूर्ण क्षेत्र ग्रामीण माना जाता था । 1981 की जनगणना में तीन द्वीप समूह याने मिनिकोयी, कवरत्ती और अमिनि को सर्वप्रथम जनगणना कस्बे घोषित किये गये जो 1991 जनगणना के समय भी यह जारी कर रहा और अगती नामक द्वीप को भी 1991 जनगणना में जनगणना कस्बा माना गया कि उपर्युक्त प्रयोजन के मानदंडों के पालन हेतु योग्य रहा था । अगत्ती द्वीप को छोड 1991 के शेष सभी जनगणना कस्बे उसी प्रकार ही 2001 की जनगणना में भी जारी कर रहे हैं ।

उपर्युक्त निश्चित मानदंड (ख) के अनुकूल होने पर पहली बार जनगणना 1991 में अगती द्वीप समूह को जनगणना कस्बे के रूप में माना गया और नगरीय ढाँचे में सम्मिलित किया गया । केवल दशकीय जनसंख्या की जनगणना के अन्तिम समय तक नये जनगणना कस्बों के वर्गीकरण के लिए ही नहीं बल्कि अगली जनगणना तक जनगणना कस्बों की स्थिति जारी रखने के लिए दशकीय जनसंख्या प्रगणना के समय आनुभाविक जाँच करना रूढिगत हो गया है । फलस्वरूप अगती को जनगणना 2001 के नगरीय ढाँचे में वर्गीकृत नहीं किया गया कि आनुभाविक जाँच में इसके अनुकूल न रहा । अतः अब ग्रामीण ढाँचे में सम्मिलित है । इस प्रकार अवर्गीकृत करने के कारण जनगणना कस्बों की संख्या जो 1991 जनगणना में चार थी वह कम हो कर तीन हो चुकी जो असाधारण स्थिति मानी जा सकती है ।

लक्षद्वीप में ग्यारह निवासीय द्वीपसमूह होते हैं । इस संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासनिक प्रयोजनों केलिए द्वीपसमूहों को नौ स्वतंत्र प्रमुख/अप्रमुख उप भागों में विभाजित किये गये हैं जो संयोग से सामुदायिक विकास खण्डों के समतुल्य हैं । बिट्रा और बंगारम को छोडकर सभी निवासीय द्वीप समूह अलग अलग सामुदायिक विकास खण्ड बने हैं । निवासीय बंगारम और बिट्रा द्वीप समूह और अनिवासी द्वीपसमूहों को समीपवर्ती सामुदायिक विकास खण्डों के भाग के रूप में माने गये हैं ।

अध्याय-2

जनसंख्या का ग्रामीण-नगरीय वितरण

भारत की जनगणना 2001 द्वारा अभिव्यक्त किया गया है कि लक्षद्वीप की कुल जनसंख्या 60,595 है जिन में 33,647 लोग ग्रामीण क्षेत्रों में और शेष 26,948 लोग नगरीय क्षेत्रों में निवास करते हैं । प्रतिशतता के अनुसार लक्षद्वीप की कुल जनसंख्या में 55.53 प्रतिशत ग्रामीण द्वीपसमूहों में और 44.47 प्रतिशत नगरीय द्वीपसमूहों में निवास करते हैं । लक्षद्वीप के नगरीय क्षेत्र का मतलब केवल जनगणना कस्बे हैं जिनकी निश्चित सीमायें होती हैं । नगरीकरण का स्तर नगरीय क्षेत्रों की जनसंख्या का प्रतिशत है । भारत और अनेक राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के आँकडों (27.78 प्रतिशत) की तुलना में लक्षद्वीप की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत (अर्थात् 44.47 प्रतिशत) बहुत अधिक है जो सारणी-1 में प्रस्तुत है । भारत, लक्षद्वीप और समीपवर्ती राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्रों के सन् 1971 से नगरीकरण का प्रभावी स्तर निम्न सूचित सारणी में प्रस्तुत है ।

अंतर्विष्ट सारणी-1

भारत, लक्षद्वीप और समीपवर्ती राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों की जनसंख्या और नगरीय एककों की संख्या

भारत/ राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	नगरीय एकक				नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत			
	1971	1981	1991	2001	1971	1981	1991	2001
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
भारत	3,081	4,029	4,689	उ.न	19.7	23.2	25.7	27.8
लक्षद्वीप	--	3	4	3	--	46.3	56.3	44.5
केरल	88	106	197	उ.न	उ.न	18.7	26.4	26.0
कर्नाटक	245	281	306	उ.न	24.3	28.9	30.9	34.0
तमिल नाडु	439	434	469	उ.न	30.3	33.0	34.2	43.9
पाँडिचेरी	6	6	11	6	42.0	52.3	64.0	66.6
आण्डमान व निकोबार द्वीप समूह	उ.न	1	1	उ.न	उ.न	26.3	26.7	32.7

उ.न-उपलब्ध नहीं

उपर्युक्त विवरणी अभिव्यक्त करती है कि 1981, 1991 और 2001 में लक्षद्वीप अपनी कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या की प्रतिशतता में अपने समीपवर्ती राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों की तुलना में दूसरे स्थान पर होते हैं जबकि प्रथम स्थान पोंडिचेरी का है । सारणी-1 अभिव्यक्त करती है कि नगरीय जनसंख्या की प्रतिशतता के संबंध में लक्षद्वीप को छहवीं स्थान है । आगे यह दिखाई देता है कि कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या की प्रतिशतता के संबंध में संघ राज्य क्षेत्र और छोटे राज्य ऊँचे स्थान पर हैं । सर्वोच्च स्तर के छह राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों की कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या की प्रतिशतता श्रेणीवार निम्न सूचित विवरणी व्यक्त करती है ।

अंतर्विष्ट सारणी-2

भारत में सर्वोच्च नगरीकृत छह राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-2001

श्रेणी	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत
(1)	(2)	(3)
1.	दिल्ली	93.01
2.	चंडिगढ	89.78
3.	पाँडिचेरी	66.57
4.	गोवा	49.77
5.	मिज़ोरम	49.50
6.	लक्षद्वीप	44.47

भारत के राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में 93.01 प्रतिशत से दिल्ली सब से अधिक नगरीय है जिसके साथ साथ चंडीगढ (89.78 प्रतिशत) और पाँडिचेरी (66.57 प्रतिशत) होते हैं । राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में 9.79 प्रतिशत से हिमाचल प्रदेश सबसे निम्नतम नगरीय है साथ ही साथ बिहार (10.47 प्रतिशत) और सिक्किम (11.10 प्रतिशत) होते हैं।

यद्यपि लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के संबंध में कुल जनसंख्या के प्रति नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत उच्च है, यह सूचित करना उचित है कि लक्षद्वीप में कोई भी नगर, नगरीय समूह या कानूनी कस्बे नहीं होते हैं । इस संघ राज्य क्षेत्र में नगरीय क्षेत्र का मतलब केवल तीन जनगणना कस्बे हैं । 1971 तक संघ राज्य क्षेत्र के समूचे क्षेत्र ग्रामीण माना जाता था । केवल 1981 जनगणना में लक्षद्वीप के इतिहास मे तीन प्रमुख द्वीप जनगणना कस्बे के रूप में माने गये । इसी कारण से नगरीय जनसंख्या में एकाएक वृद्धि हुई जो 2001 जनगणना के दौरान भी जारी रही । इन द्वीपों को इसी कारण से जनगणना कस्बे माने गये कि ये परिचयात्मक टिप्पणी में प्रस्तावित जनगणना संगठन के मापमान के अनुकूल रहें । बेशक समुद्र की गहराई में स्थित द्वीपों में जनसंख्या एवं औद्योगीकरण की वृद्धि आसान नहीं है, इसलिए नगरीकरण केलिए प्रस्तावित ये दोनों आवश्यकताओं से ये द्वीप समूह वंछित रहे ।

निम्न सूचित सारणी में लक्षद्वीप के सामाजिक विकास खण्डों की ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या प्रस्तावित है ।

संघ राज्य क्षेत्र में नगरीय और ग्रामीण जनसंख्या का वितरण, 1901-2001

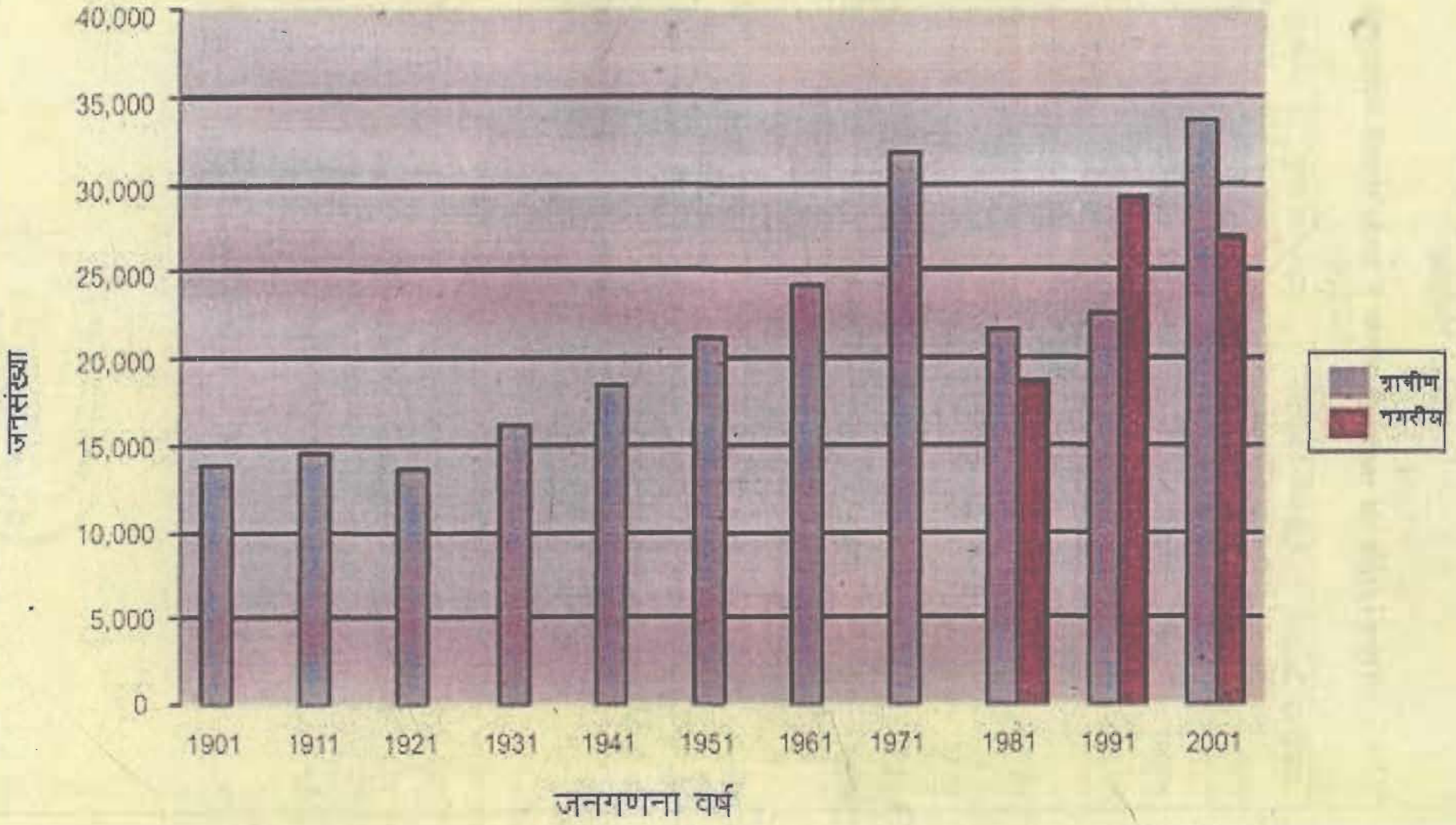

अंतर्विष्ट सारणी-3

सामुदायिक विकास खण्डों में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत-2001

संघ राज्य क्षेत्र/ सा.वि.खण्ड	कुल जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या प्रतिशत
(1)	(2)	(3)	(4)
लक्षद्वीप	60,595	26,948	100.00
चेत्तलात्त्	2,553	--	--
किल्तन	3,664	--	--
कटमत्त्	5,319	--	--
अमिनि	7,340	7,340	27.24
अगत्ती	7,072	--	--
कवरत्ती	10,113	10,113	37.53
आन्त्रोत्त्	10,720	--	--
कल्पेनी	4,319	--	--
मिनिकोयी	9,495	9,495	35.23

लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के नौ सामुदायिक विकास खण्डों में निवासीय एक द्वीप सहित तीन सामुदायिक विकास खण्डों में प्रत्येक के नगरीय घटक होते हैं । संक्षेप में, इन तीन सामुदायिक विकास खण्डों की सारी जनसंख्या नगरीय क्षेत्र में निवास करते हैं और कोई ग्रामीण जनसंख्या नहीं है । इसके विपरीत, शेष छह सामुदायिक विकास खण्डों की सारी जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्र में हैं और इनमें कोई नगरीय जनसंख्या नहीं होती ।

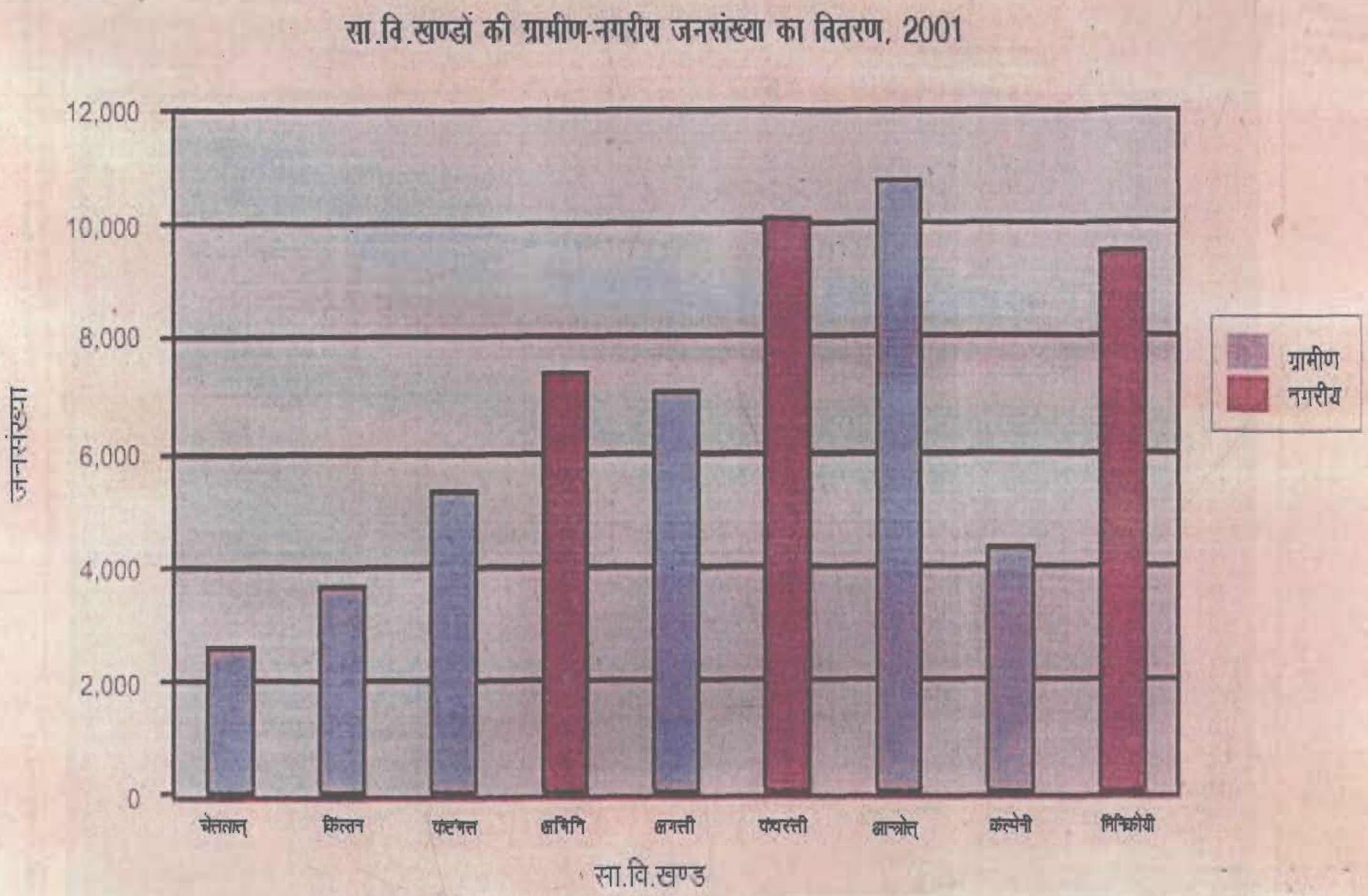
सा.वि.खण्डों की ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या का वितरण, 2001
12,000
10,000
8,000
6,000
4,000
2,000
0
जनसंख्या
ग्रामीण
नगरीय
सा.वि.खण्ड

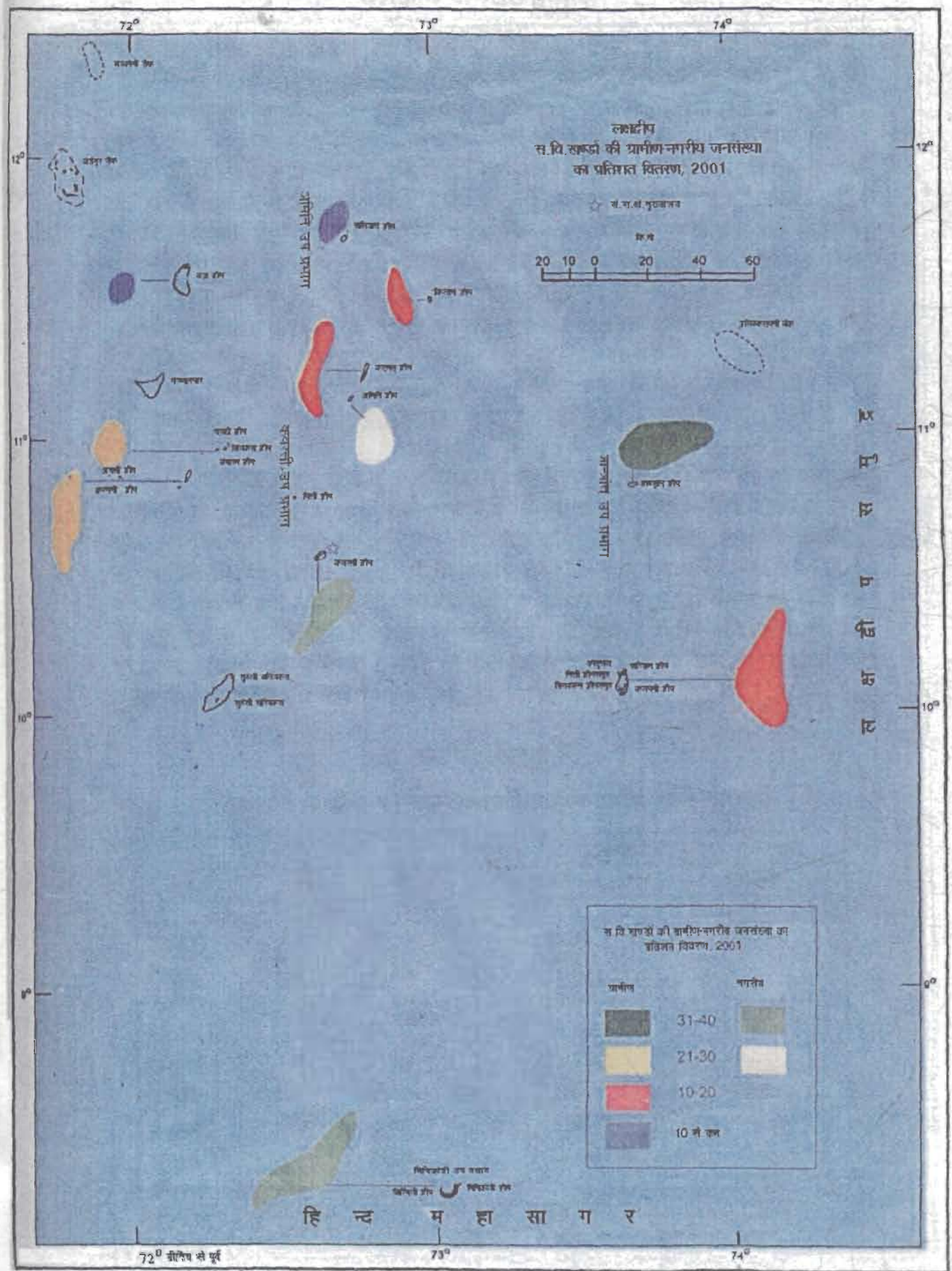

भारत के महासर्वेक्षक की अनुमति से भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर आधारित ।
समुद्र में भारत का जलप्रदा उपर्युक्त आधार रेखा से माप गए बारह समुद्री मील की दूरी तक है ।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्याधिकार, 2001

अध्याय-3

दशकीय जनसंख्या वृद्धि

सन् 1901 से 2001 तक के 100 साल के दौरान लक्षद्वीप की जनसंख्या में 13,882 से 60,595 की वृद्धि हुई है जो कि अर्थात् 336.5 प्रतिशत की वृद्धि है । 1981 जनगणना के दौरान पहली बार नगरीय क्षेत्र का गठन किया गया और इसके बाद, इस संघ राज्य क्षेत्र में नगरीय जनसंख्या से अधिक ग्रामीण जनसंख्या की वृद्धि हुई । 2001 की ग्रामीण-जनसंख्या की वृद्धि दर 1981 की जनसंख्या से 55.63 प्रतिशत है जब कि इस अवधि में नगरीय जनसंख्या वृद्धि 44.66 प्रतिशत है कि कुल जनसंख्या वृद्धि 50.55 प्रतिशत हुई । 1991-2001 दशक के दौरान ग्रामीण जनसंख्या का प्रतिशत परिवर्तन 48.93 प्रतिशत और 1991-2001 के नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत जैसे विवरणी-4 में प्रस्तुत है, वह एकदम कम दिखाई पडता है कि कभी-कभी विपरीत (यानेः -7.44 प्रतिशत) होता है । यह अगत्ती जनगणना कस्बे का अवर्गीकरण के कारण होगा कि यह 1991 जनगणना में जनगणना कस्बा था जो 2001 जनगणना में किसी नये शहर को जोडे बिना ग्रामीण माना गया । यह इस तथ्य से स्पष्ट होता है कि ग्रामीण दशकीय वृद्धि दर (याने 48.93 प्रतिशत) कुल जनसंख्या वृद्धि दर (17.19 प्रतिशत) से बहुत ऊँची है ।

2001 के पेपर-1 में 1901-2001 और 1991 एवं 2001 जनगणनाओं के सामुदायिक विकास खण्डों तथा संघ राज्य क्षेत्र की जनसंख्या वृद्धि के आँकड़े प्रस्तुत है । चूंकि सामुदायिक विकास खण्ड एकल आवासीय द्वीप के प्रतिनिधित्व करते हैं इसलिए सामुदायिक विकास खण्डों के दशकीय परिवर्तन द्वीपों के समान होते हैं । 1991-2001 दशक के दौरान कटमत्त् द्वीप को छोडकर लक्षद्वीप के सभी द्वीपों में जनसंख्या की वृद्धि दर में कमी हुई है । 1981-91 दशक के दौरान कटमत्त् द्वीप में 5.51 प्रतिशत जनसंख्या वृद्धि दर रिकोर्ड की गयी है । नीचे दी गयी अंतर्विष्ट सारणी में लक्षद्वीप के द्वीपों की जनसंख्या से संबंधित ग्रामीण नगरीय वृद्धि दर प्रस्तुत है ।

अंतर्विष्ट सारणी-4

लक्षद्वीप के द्वीपों की जनसंख्या की ग्रामीण-नगरीय वृद्धि-2001

द्वीप	जनसंख्या की वृद्धि दर		
	कुल	ग्रामीण	नगरीय
(1)	(2)	(3)	(4)
लक्षद्वीप	17.19	48.93	(-)7.44
बित्र	17.33	17.33	--
चेत्तलात्त्	11.60	11.60	--
किल्तन	19.54	19.54	--
कटमत्त्	33.48	33.58	--
अमिनि	13.85	--	13.85
बंगारम	6.56	6.56	--
अगत्ती	23.58	23.48	--
कवरत्ती	16.55	--	16.55
आन्त्रोत्त्	17.52	17.52	--
कल्पेनी	5.75	5.75	--
मिनिकोयी	14.12	--	14.12

उपर्युक्त विवरणी से यह देखा जा सकता है कि बित्रा (17.33 प्रतिशत), आन्त्रोत् (17.52 प्रतिशत), किल्तन (19.54 प्रतिशत), अगत्ती (23.58 प्रतिशत), और कटमत्त् (33.48 प्रतिशत) द्वीपों की जनसंख्या का प्रतिशत परिवर्तन संघ राज्य क्षेत्र (17.19 प्रतिशत) से ऊँचा है । सभी कस्बों में जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर संघ राज्य क्षेत्र की कुल जनसंख्या (याने 17.19 प्रतिशत) से कम है । जैसे पहले ही कह चुका है, 1991-2001 दशक में लक्षद्वीप में नगरीय जनसंख्या वृद्धि विपरीत रही जो अगत्ती को ग्रामीण रूप में अवर्गीकृत करने के कारण हुआ है । मगर इस दशक के दौरान नगरीय जनसंख्या की साधारण वृद्धि 14.95 प्रतिशत रही है । नगरीय द्वीपों याने सामुदायिक विकास खण्डों में कवरत्ती का 16.55 प्रतिशत जनसंख्या की उच्चतम वृद्धि दर है और मिनिकोयी (14.12 प्रतिशत) और अमिनि (13.85 प्रतिशत) निकटतम है ।

लक्षद्वीप के संबंध में 1991 से लेकर लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र या उसके निम्न सीमावर्ती एककों के अधिकार क्षेत्र में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है । इसी कारण से इस संघ राज्य क्षेत्र से संबंधित 1991 और 2001 जनगणनाओं के आंकड़ों की तुलना हेतु जनसंख्या या क्षेत्र का पुनर्निणयन आवश्यक नहीं हुआ है ।

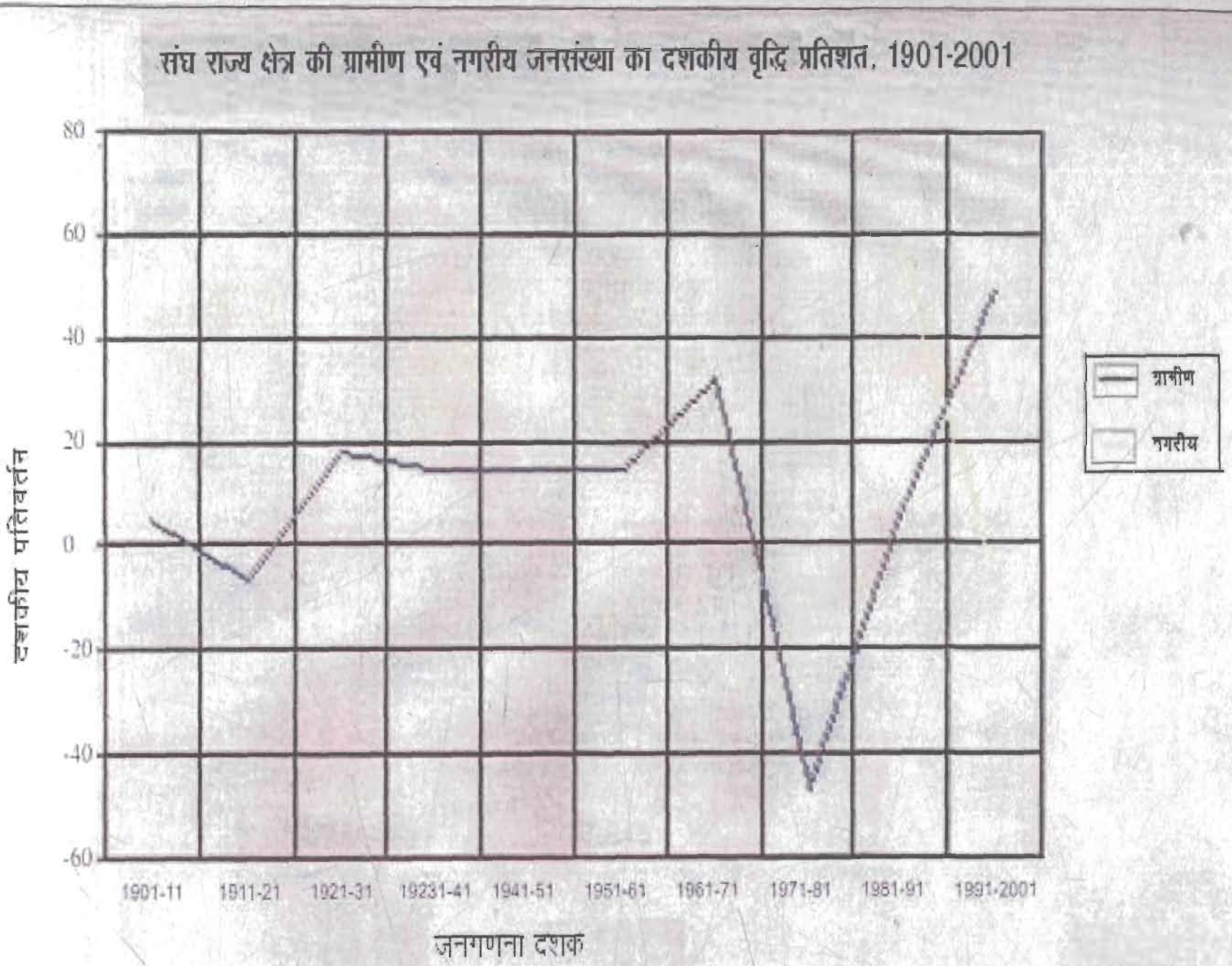

संघ राज्य क्षेत्र की ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या का दशकीय वृद्धि प्रतिशत, 1901-2001

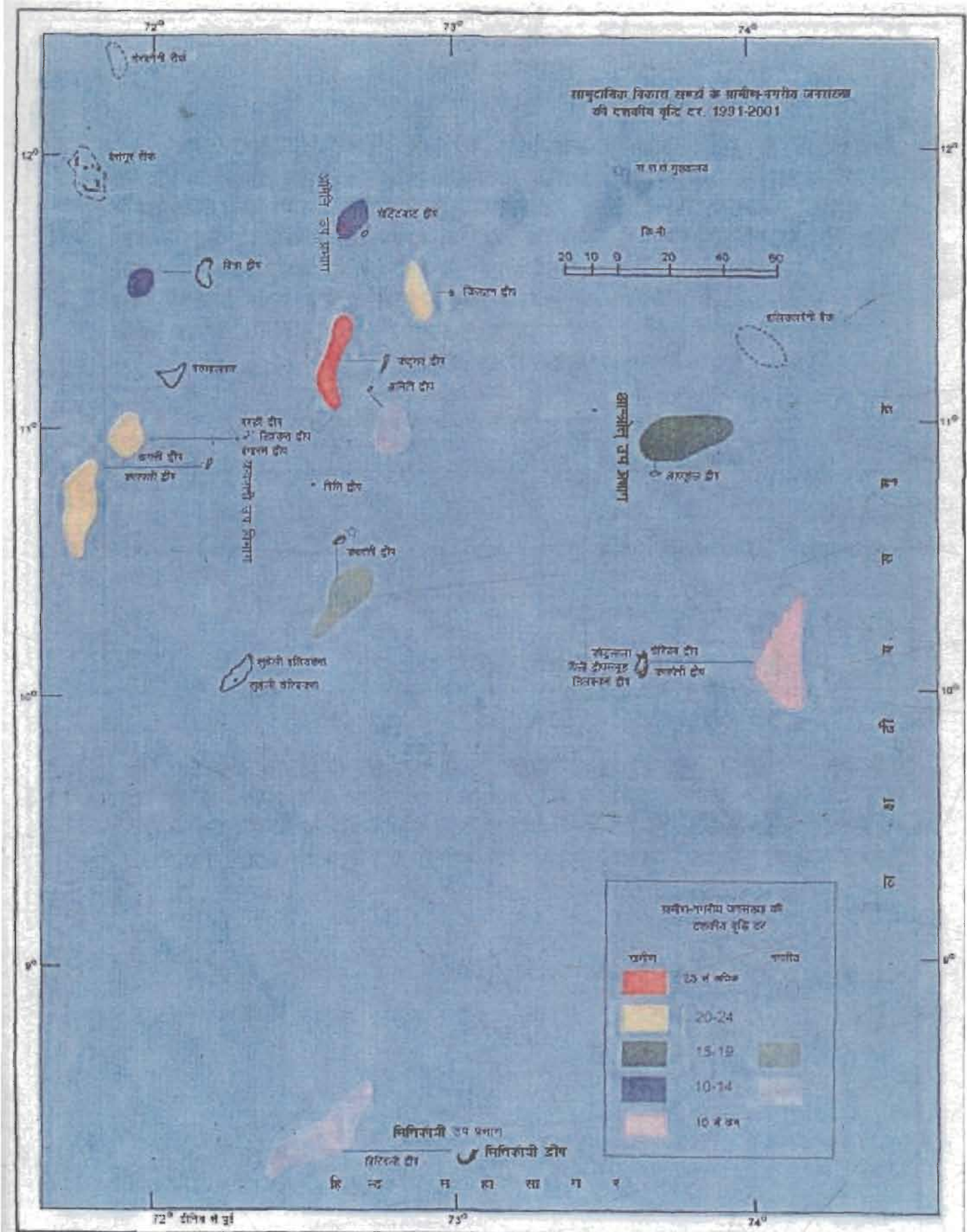

भारत के महासर्वेक्षक की अनुमति से भारतीय सर्वेक्षण विभाग के मानचित्र पर आधारित।
समुद्र में भारत का जलप्रदेश उपयुक्त आधार रेखा से मापे गए बारह समुद्री मील की दूरी तक है।

© भारत सरकार का प्रतिलिप्यधिकार 2001

अध्याय-4

लिंग अनुपात

वर्ष 1901 से 2001 तक संघ राज्य क्षेत्र के और 1991 से 2001 तक सामुदायिक विकास खण्डों की जनगणनाओं की कुल जनसंख्या में लिंग अनुपात से संबंधित आँकड़े 2001 के पेपर-1 में प्रस्तुत है । एक हज़ार पुरुषों के प्रति स्त्रियों की संख्या को लिंग अनुपात की परिभाषा दी गयी है । पिछले सौ सालों से भारत और लक्षद्वीप में रिकार्ड किये गये लिंग अनुपात की तुलना करने से यह समझ सकता है कि भारत और अन्य कुछ राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रों के लिंग अनुपात से यहाँ का अनुपात ऊँचे स्तर पर है । निम्न सूचित सारणी 1901-2001के दौरान लक्षद्वीप और भारत के लिंग अनुपात प्रस्तुत है।

अंतर्विष्ट सारणी-5

लक्षद्वीप और भारत के लिंग अनुपात-1901-2001

संघ राज्य क्षेत्र/ भारत	लिंग अनुपात										
	1901	1911	1921	1931	1941	1951	1961	1971	1981	1991	2001
लक्षद्वीप	1063	987	1027	994	1018	1043	1020	978	975	943	947
भारत	972	964	955	950	945	946	941	930	934	927	933

उपर्युक्त सारणी से यह व्यक्त है कि लक्षद्वीप का लिंग अनुपात भारत से सदा ऊँचे स्तर पर है । लक्षद्वीप के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों का लिंग अनुपात 1991 में 959 और 930 के बदले में क्रमशः 957 और 936 रिकोर्ड किया गया है । निम्न सूचित सारणी वर्ष 1991 और 2001 में लक्षद्वीप के ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों का लिंग अनुपात प्रस्तुत करती है ।

अंतर्विष्ट सारणी-6

1991 और 2001 जनगणनाओं में ग्रामीण और नगरीय द्वीपसमूहों का लिंग अनुपात

संघ राज्य क्षेत्र/द्वीप	लिंग अनुपात					
	1991			2001		
	कुल	ग्रामीण	नगरीय	कुल	ग्रामीण	नगरीय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(70
लक्षद्वीप	943	959	930	947	957	936
बित्र	573	573	--	671	671	--
चेत्तलात्त्	897	897	--	935	935	--
किल्तन	985	985	--	984	984	--
कटमत्त्	961	961	--	981	981	--
अमिनि	969	--	969	969	--	969
बंगारम	151	151	--	161	161	--
अगत्ती	883	--	883	929	929	--
कवरत्ती	829	--	829	813	--	813
आन्त्रोत्त्	999	999	--	1,001	1,001	--
कल्पेनी	932	932	--	895	895	--
मिनिकोयी	1,049	--	1,049	1,057	--	1,057

उपर्युक्त सारणी यह व्यक्त कर देती है कि 2001 की जनगणना में संघ राज्य क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में लिंग अनुपात नगरीय क्षेत्रों से अधिक होता है । अन्ट्रोत के ग्रामीण द्वीपों में लिंग अनुपात (1001), किल्तन (984), कटमत्त् (981) और मिनिकोयी के नगरीय द्वीपों (1057) और अमिनि (969) में संघ राज्य क्षेत्र से बहुत अधिक माना जा सकता है। आन्त्रोत्त् (ग्रामीण) में लिंग अनुपात 1000 पुरुषों के प्रति 1001 स्त्रियाँ और मिनिकोय (नगरीय) में 1000 पुरुषों के प्रति 1057 स्त्रियाँ हैं कि इस संघ राज्य क्षेत्र स्त्रियों के प्रति अनुकूल माना जा सकता है । सभी द्वीपों को एक साथ इकट्ठा करते समय लिंग अनुपात में 1000 पुरुषों के प्रति 1057 स्त्रियों की दर में लक्षद्वीप के मिनिकोय की प्रथम श्रेणी है। पिछली जनगणनाओं में भी उच्च लिंग अनुपात की यह प्रबल प्रवृत्ति मिनिकाय में देखा जा सकती है । इसका कारण यह है कि भारत और अन्य विदेशी जहाज़ों में काम करने हेतु मिनिकोय की कार्यरत जनसंख्या में पुरुषों की एक महत्वपूर्ण संख्या वहाँ से बाहर जाती हैं जैसे पिछली जनगणना रिपोर्टों में रिपोर्ट की गयी है ।

उपर्युक्त सारणी यह भी व्यक्त कर देती है कि संघ राज्य क्षेत्र में 1991 की जनगणना की तुलना में 2001 की जनगणना का लिंग अनुपात स्त्रियों के अनुकूल है । 2001 की जनगणना में संघ राज्य क्षेत्र के सात द्वीपों में लिंग अनुपात की वृद्धि देखा जा सकती है । इसके विरुद्ध तीन द्वीपों में यह अनुपात कम हो गया है और एक द्वीप याने अमिनि में यह अनुपात स्थिर रहा ।

अध्याय-5

शिशु जनसंख्या (0-6 आयु वर्ग)

किसी भी समाज में जनसंख्या का महत्वपूर्ण भाग है 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या । इस संघ राज्य क्षेत्र की कुल जनसंख्या 60,595 में 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या 8,860 होती हैं जो यहाँ की कुल जनसंख्या की 14.62 प्रतिशत है और भारत के प्रति वह 15.42 प्रतिशत है । भारत के संघ राज्य क्षेत्रों में 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या के समानुपात में लक्षद्वीप (14.62 प्रतिशत) दूसरे स्थान पर है जबकि प्रथम स्थान दादरा और नागर हवेली (17.77 प्रतिशत) को है । राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को एक साथ इकट्ठा करते समय शिशु जनसंख्या के वृतखण्ड में लक्षद्वीप चौदहवीं स्थान पर होता है जबकि प्रथम स्थान मेघालय (19.84 प्रतिशत) और दूसरा स्थान बिहार (19.59 प्रतिशत) को है । 1991 और 2001 की जनगणनाओं में लक्षद्वीप के ग्रामीण-नगरीय क्षेत्रों की 0-6 आयु वर्ग के लिंग वार जनसंख्या का प्रतिशत निम्न सूचित सारणी में प्रस्तुत है ।

अंतर्विष्ट सारणी-7

आवास एवं लिंग अनुपात वार 06 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का प्रतिशत, 1991-2001

कुल/ग्रामीण/ नगरीय	0-6 आयु वर्ग के जनसंख्या प्रतिशत					
	1991			2001		
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियाँ	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
कुल	18.30	18.32	18.28	14.62	14.42	14.83
ग्रामीण	19.21	19.29	19.12	16.15	15.72	16.59
नगरीय	17.60	17.58	17.62	12.71	12.81	12.61

लक्षद्वीप की जनसंख्या में 1991 की तुलना में 2001 की जनगणना में हुई 0-6 आयु वर्ग की समानुपात कमी उपर्युक्त सारणी प्रस्तुत करती है । संघ राज्य क्षेत्र में यह समानुपात 1991 के 18.30 प्रतिशत से 2001 में 14.62 प्रतिशत तक कम हो गया । उपर्युक्त समानुपात में अधिक कमी ग्रामीण क्षेत्रों (3.06) से अधिक नगरीय क्षेत्रों में (4.89) हुई हैं । निम्न सूचित सारणी लक्षद्वीप के सामुदायिक विकास खण्डों की कुल जनसंख्या मे 0-6 आयु वर्ग के शिशुओं का समानुपात प्रस्तुत करती है ।

अंतर्विष्ट सारणी-8

सामुदायिक विकास खण्डों में 0-6 आयु वर्ग के शिशुओं के समानुपात-2001

संघ राज्य क्षेत्र/ सा.वि.खण्ड	0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का समानुपात		
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)
लक्षद्वीप	14.62	14.42	14.83
चेत्तलात्	16.22	16.11	16.34
किल्तन	17.88	18.62	17.12
कटमत्त्	15.94	15.31	16.59
अमिनि	15.29	16.07	14.48
अगत्ती	17.39	16.65	18.20
कवरत्ती	11.62	11.01	12.37
आन्त्रोत्	16.15	16.06	16.24
कल्पेनी	12.87	11.36	14.56
मिनिकोयी	11.89	12.57	11.44

उपर्युक्त सारणी से यह प्रामाणिक है कि 0-6 आयु वर्ग के शिशुओं का ऊँचा अनुपात (17.88 प्रतिशत) किल्तन सा.वि.खण्ड का है और दूसरा स्थान अगत्ती सा.वि.खण्ड (17.39 प्रतिशत) का है । कवरत्ती सा.वि.खण्ड का (11.62 प्रतिशत) न्यूनतम अनुपात है और उसके पीछे मिनिकोयी (11.89 प्रतिशत) होता है । 0-6 आयु वर्ग के पुरुष शिशुओं के अनुपात के संबंध में सामुदायिक विकास खण्डों में भी समान प्रवृत्तियाँ देखी जा सकती हैं कि इसके अपवाद है दूसरे न्यूनतम स्थान में मिनिकोय के बदले 11.36 प्रतिशत के साथ कलपेनी है । कुल जनसंख्या में 0-6 आयु वर्ग की स्त्री शिशुओं के समानुपात के संबंध में प्रथम स्थान अगत्ती सा.वि.खण्ड (18.20 प्रतिशत) का है और उसके पीछे किलटन (17.12 प्रतिशत) के साथ और न्यूनतम स्तर पर मिनिकोय (11.44 प्रतिशत) और उसके आस पास कवरत्ती (12.37 प्रतिशत) है ।

0-6 आयु वर्ग के शिशुओं की जनसंख्या के संबंध में 2001 की जनगणना में विपरीत वृद्धि अभिलिखित की गयी है । संघ राज्य क्षेत्र में 1991-2001 दशकीय वर्ष के दौरान 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या का परिवर्तन निम्न सूचित सारणी प्रस्तुत करती है ।

अंतर्विष्ट सारणी-9

1991-2001 दशकीय वर्ष के दौरान संघ राज्य क्षेत्र के 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या प्रतिशत परिवर्तन

कुल/ग्रामीण/नगरीय	संघ राज्य क्षेत्र में वर्ष 1991-2001 के दौरान 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या का परिवर्तन		
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)
कुल	-6.38	-7.98	-4.69
ग्रामीण	25.24	21.58	29.08
नगरीय	-33.15	-32.76	-33.58

प्रस्तुत सारणी से यह देखा जा सकता है कि 1991-2001 दशकीय वर्ष के दौरान 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या का नकारात्मक परिवर्तन हुआ है (याने -6.38 प्रतिशत) । इस आयु वर्ग की नगरीय जनसंख्या में भी वैसा ही नकारात्मक प्रवृत्ति देखी जा सकती है । 2001 की जनगणना के अनुसार 0-6 आयु वर्ग के शिशुओं की जनसंख्या की भिन्नता नगरीय क्षेत्रों में -33.15 प्रतिशत है ।

आयु वर्ग 0-6 शिशु जनसंख्या के संबंध में 1991 की जनगणना की तुलना में 2001 जनगणना में सामुदायिक विकास खण्ड मिनिकोय में (-18.60 प्रतिशत), कवरत्ती में (-15.16 प्रतिशत) कल्पेनी में (-14.46 प्रतिशत), अमिनि में (-7.58 प्रतिशत) कमी दर्शनीय है । उसी समय इस वर्ग की जनसंख्या में सा.वि.खण्ड अगत्ती में (7.89 प्रतिशत), किल्तन में (5.65 प्रतिशत), कटमत्त् में (4.69 प्रतिशत) और चेत्तलात्त् में (1.47 प्रतिशत) वृद्धि दिखाई पडती है ।

सामुदायिक विकास खण्डों/द्वीपों की कुल जनसंख्या एवं 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या का लिंग अनुपात सारणी-4 में दी है । इस सारणी में यह देखा जा सकता है कि संघ राज्य क्षेत्र की कुल जनसंख्या की तुलना में 0-6 आयु वर्ग के शिशुओं का लिंग अनुपात स्त्रियों के प्रति थोडा सा अनुकूल है । लक्षद्वीप की कुल जनसंख्या में 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या का लिंग अनुपात 974 है जब कि लक्षद्वीप की कुल जनसंख्या का 947 होता है । इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्र के 0-6 आयु वर्ग का लिंग अनुपात स्त्रियों के प्रति अनुकूल है (याने प्रति 1000 पुरुषों को 1010 स्त्रियाँ) जबकि संघ राज्य क्षेत्र की कुल जनसंख्या (याने प्रति 1000 पुरुषों को 957 स्त्रियाँ) इस के विरुद्ध है । नगरीय क्षेत्र में 0-6 आयु वर्ग के शिशुओं के लिंग अनुपात प्रति 1000 पुरुषों को 920 स्त्रियों की दर पर अभिलिखित किया गया है जब कि संघ राज्य क्षेत्र का 936 होता है । 0-6 आयु वर्ग के शिशुओं का लिंग अनुपात सामुदायिक विकास खण्ड कल्पेनी का (1,147), कट्मत का (1,063), आन्त्रोत्त् का (1,013) और अगत्ती का (1,003) भी स्त्रियों के अनुकूल हैं । इसके विरुद्ध इस आयु वर्ग की जनसंख्या का लिंग अनुपात सामुदायिक विकास खण्ड मिनिकोयी (977), चेत्तलात्त् (917), कवरत्ती (914), किल्तन (904) और अमिनि (873) अन्य द्वीपों की तरह स्त्रियों के प्रति अनुकूल नहीं है ।

अध्याय-6

साक्षरता

जनसंख्या के अनन्तिम आँकड़े, 2001 के पेपर-1 में सामुदायिक विकास खण्डों के स्तर तक साक्षरता संबंधित ऑकड़े, परिभाषा और संक्षिप्त विश्लेषण सहित प्रस्तुत किये गये हैं । साक्षरता के संबंध में लक्षद्वीप भारत के राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के बीच निश्चित रूप से ऊँचे स्थान पर है । 2001 की जनगणना में हमारे देश (65.38 प्रतिशत) के मुकाबले लक्षद्वीप की साक्षरता दर 87.52 प्रतिशत अभिलिखित है । भारत के राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों में साक्षरता के संबंध में लक्षद्वीप तीसरी श्रेणी में है जबकि प्रथम और दूसरे स्थानों में क्रमशः केरल (90.92 प्रतिशत) और मिज़ोरम (88.49 प्रतिशत) होते हैं । द्वीप स्तर के संघ राज्य क्षेत्र के ग्रामीण तथा नगरीय साक्षरता दर के आंकड़े इस खण्ड के समाप्ति के परिशिष्ट की सारणी-5 में प्रस्तुत है । ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों की साक्षरता दरों की तुलना में यह देखा जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों के मुकाबले नगरीय क्षेत्रों की साक्षरता दर अधिक है कि ग्रामीण क्षेत्र में 86.39 प्रतिशत और नगरीय क्षेत्र में यह 88.89 प्रतिशत हैं जो इस संघ राज्य क्षेत्र के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों के बीच इतना महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होता । निम्न सूचित सारणी लक्षद्वीप में निवास एवं लिंग वार साक्षरता की दर प्रस्तुत करती है ।

अंतर्विष्ट सारणी-10

निवास एवं लिंग वार साक्षरता दर, 2001

कुल/ग्रामीण/नगरीय	साक्षरता दर		
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्रियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)
कुल	87.52	93.15	81.56
ग्रामीण	86.39	92.56	79.86
नगरीय	88.89	93.85	83.60

कुल जनसंख्या में निवास वार साक्षरता दर की समान रीति पुरुष एवं स्त्री जनसंख्या के संबंध में देखी जा सकती हैं । परन्तु, ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों के बीच साक्षरता दर में कुछ अन्तर दिखाई पडती है कि पुरुषों (1.29 बिन्दु) की अपेक्षा स्त्रियों (3.74 बिन्दु) की दर बहुत अधिक है ।

ग्रामीण सामुदायिक विकास खण्डों/द्वीपों में बंगारम द्वीप को छोडकर केवल कटमत्त् (90.40 प्रतिशत) और अगत्ती (88.50/88.40 प्रतिशत) संघ राज्य क्षेत्र के ग्रामीण आंकडों (86.39 प्रतिशत) की तुलना में साक्षरता दर के संबंध में ऊँचे स्तर पर होते हैं । संघ राज्य क्षेत्र के ग्रामीण सामुदायिक विकास खण्डों में याने कटमत्त् द्वीप की साक्षरता दर उच्चतम 90.40 प्रतिशत होती है तो किल्तन की 83.68 प्रतिशत निम्नतम दर है । वैसा ही नगरीय क्षेत्र के सा.वि.खण्डों/द्वीपों में मिनिकोयी की साक्षरता दर (93.01 प्रतिशत) संघ राज्य क्षेत्र से ऊँचा (88.89 प्रतिशत) और अन्य सा.वि.खण्डों याने कवरत्ती (88.26) और अमिनि (84.26) की दरें संघ राज्य क्षेत्र के प्रति निम्न होती हैं । फिर भी कवरत्ती की साक्षरता दर (88.26 प्रतिशत) संघ राज्य क्षेत्र के ऑकड़े के निकट होती हैं । सभी सा.वि.खण्डों/द्वीपों को एक साथ इकट्ठा करने से लक्षद्वीप की साक्षरता दर में मिनिकोयी (93.01 प्रतिशत) प्रथम स्थान पर है और साथ ही कटमत्त् (90.40 प्रतिशत) और किल्तन (83.68 प्रतिशत) होते हैं । सारणी-5 से यह स्पष्ट होता है कि सभी स्तर याने संघ राज्य क्षेत्र/सा.वि.खण्ड/द्वीप के ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में पुरुषों की साक्षरता दर स्त्रियों की अपेक्षा अधिक है ।

अनन्तिम जनसंख्या सारणियाँ

सारणी-1

आवास एवं लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु-वर्ग की शिशु जनसंख्या और साक्षर संघ राज्य क्षेत्र, जिला, न.स/नगर/कस्बा, 2001

संघ राज्य क्षेत्र/ जिला/न.स/ नगर/कस्बा	नगर/कस्बा की नागरिक स्थिति	कुल/ ग्रामीण/ नगरीय	जनसंख्या			0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या			साक्षर		
			व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
लक्षद्वीप		**कुल**	**60,595**	**31,118**	**29,477**	**8,860**	**4,488**	**4,372**	**45,281**	**24,806**	20,475
		ग्रामीण	**33,647**	**17,196**	**16,451**	**5,434**	**2,704**	**2,730**	**24,372**	**13,414**	10,958
		नगरीय	**26,948**	**13,922**	**13,026**	**3,426**	**1,784**	**1,642**	**20,909**	**11,392**	9,517
लक्षद्वीप जिला		कु	60,595	31,118	29,477	8,860	4,488	4,372	45,281	24,806	20,475
		ग्रा	33,647	17,196	16,451	5,434	2,704	2,730	24,372	13,414	10,958
		न	26,948	13,922	13,026	3,426	1,784	1,642	20,909	11,392	9,517
अमिनि	ज क	न	7,340	3,727	3,613	1,122	599	523	5,239	2,892	2,347
कवरत्ती	ज क	न	10,113	5,579	4,534	1,175	614	561	7,889	4,645	3,244
मिनिकोयी	ज क	न	9,495	4,616	4,879	1,129	571	558	7,781	3,855	3,926

टिप्पणी : 1. इस संघ राज्य क्षेत्र में केवल एक ही जिला है ।

2. इस संघ राज्य क्षेत्र में कोई नगरीय समूह या नगर नहीं है ।

ज क-जनगणना कस्बा

सारणी-2

आवास एवं लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु-वर्ग की शिशु जनसंख्या और साक्षर संघ राज्य क्षेत्र, जिला, सा.वि खण्ड, द्वीप, 2001

संघ राज्य क्षेत्र/ जिला/ सा.वि खण्ड/द्वीप	कुल/ ग्रामीण/ नगरीय	जनसंख्या			0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या			साक्षर		
		व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
लक्षद्वीप	**कु**	**60,595**	**31,118**	**29,477**	**8,860**	**4,488**	**4,372**	**45,281**	**24,806**	**20,475**
	ग्रा	**33,647**	**17,196**	**16,451**	**5,434**	**2,704**	**2,730**	**24,372**	**13,414**	**10,958**
	न	**26,948**	**13,922**	**13,026**	**3,426**	**1,784**	**1,642**	**20,909**	**11,392**	**9,517**
लक्षद्वीप जिला	कु	60,595	31,118	29,477	8,860	4,488	4,372	45,281	24,806	20,475
	ग्रा	33,647	17,196	16,451	5,434	2,704	2,730	24,372	13,414	10,958
	न	26,948	13,922	13,026	3,426	1,784	1,642	20,909	11,392	9,517
चेत्तलात् सा.वि.खण्ड	ग्रा	2,553	1,341	1,212	414	216	198	1,837	1,011	826
बित्र द्वीप	ग्रा	264	158	106	56	25	31	176	115	61
चेत्तलात् द्वीप	ग्रा	2,289	1,183	1,106	358	191	167	1,661	896	765
किल्तन सा.वि.खण्ड	ग्रा	3,664	1,847	1,817	655	344	311	2,518	1,337	1,181
कटमत्त् सा.वि. खण्ड	ग्रा	5,319	2,685	2,634	848	411	437	4,042	2,143	1,899
अमिनि सा.वि.खण्ड	न	7,340	3,727	3,613	1,122	599	523	5,239	2,892	2,347
अगत्ती सा.वि.खण्ड	ग्रा	7,072	3,688	3,384	1,230	614	616	5,170	2,898	2,272
बंगारम द्वीप	ग्रा	65	56	9	5	4	1	59	51	8
अगत्ती द्वीप	ग्रा	7,007	3,632	3,375	1,225	610	615	5,111	2,847	2,264
कवरत्ती सा.वि.खण्ड	न	10,113	5,579	4,534	1,175	614	561	7,889	4,645	3,244
आन्त्रोत् सा.वि.खण्ड	ग्रा	10,720	5,356	5,364	1,731	860	871	7,617	4,162	3,455
कल्पेनी सा.वि.खण्ड	ग्रा	4,319	2,279	2,040	556	259	297	3,188	1,863	1,325
मिनिकोयी सा.वि.खण्ड	न	9,495	4,616	4,879	1,129	571	558	7,781	3,855	3,926

टिप्पणी : 1. लक्षद्वीप मे केवल एक ही जिला है ।

2. चेत्तलात् और अगत्ती को छोडकर सामुदायिक विकास खण्डों में प्रति एक आवासीय द्वीप होता है ।

सारणी-3

कुल जनसंख्या प्रति नगरीय जनसंख्या प्रतिशत एवं आवास वार दशकीय वृद्धि का प्रतिशत, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का प्रतिशत-संघ राज्य क्षेत्र और जिला, 2001

संघ राज्य क्षेत्र/ जिला	कुल/ग्रामीण/ नगरीय	जनसंख्या			दशकीय वृद्धि का प्रतिशत, 1991-2001	0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का प्रतिशत			नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत
		व्यक्ति	पुरुष	स्त्री		व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
लक्षद्वीप	**कु**	**60,595**	**31,118**	**29,477**	**17.19**	**14.62**	**14.42**	**14.83**	**44.47**
	ग्रा	**33,647**	**17,196**	**16,451**	**48.93**	**16.15**	**15.72**	**16.59**	
	न	**26,948**	**13,922**	**13,026**	**-7.44**	**12.71**	**12.81**	**12.61**	
लक्षद्वीप जिला	कु	60,595	31,118	29,477	17.19	14.62	14.42	14.83	44.47
	ग्रा	33,647	17,196	16,451	48.93	16.15	15.72	16.59	
	न	26,948	13,922	13,026	-7.44	12.71	12.81	12.61	

सारणी-4

जनसंख्या का लिंग अनुपात और 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का लिंग अनुपात -संघ राज्य क्षेत्र, जिला, सामुदायिक विकास खण्ड, द्वीप, 2001

संघ राज्य क्षेत्र/ जिला/ सा.वि खण्ड/ द्वीप	कुल जनसंख्या का लिंग अनुपात			0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या का लिंग अनुपात		
	कुल	ग्रामीण	नगरीय	कुल	ग्रामीण	नगरीय
1	2	3	4	5	6	7
लक्षद्वीप	**947**	**957**	**936**	**974**	**1010**	**920**
लक्षद्वीप जिला	947	957	936	974	1010	920
चेत्तलात् सा.वि.खण्ड	904	904	--	917	917	--
वित्र द्वीप	671	671	--	1240	1240	--
चेत्तलात् द्वीप	935	935	--	874	874	--
किल्तन सा.वि.खण्ड	984	984	--	904	904	--
कटमत् सा.वि. खण्ड	981	981	--	1063	1063	--
अगिनि सा.वि.खण्ड	969	--	969	873	--	873
अगत्ती सा.वि.खण्ड	918	918	--	1003	1003	--
बंगारम द्वीप	161	161	--	250	250	--
अगत्ती द्वीप	929	929	--	1008	1008	--
कवरत्ती सा.वि.खण्ड	813	--	813	914	--	914
आन्त्रोत् सा.वि.खण्ड	1001	1001	--	1013	1013	--
कल्पेनी सा वि.खण्ड	895	895	--	1147	1147	--
मिनिकोयी सा.वि.खण्ड	1057	--	1057	977	--	977

सारणी-5

निवास एवं लिंग वार साक्षरता दर-संघ राज्य क्षेत्र, जिला, सा.वि.खण्ड, द्वीप, 2001

संघ राज्य क्षेत्र/ जिला/ सामुदायिक विकास खण्ड/द्वीप	साक्षरता दर								
	कुल			ग्रामीण			नगरीय		
	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
लक्षद्वीप	**87.52**	**93.15**	**81.56**	**86.39**	**92.56**	**79.86**	**88.89**	**93.85**	**83.60**
लक्षद्वीप जिला	87.52	93.15	81.56	86.39	92.56	79.86	88.89	93.85	83.60
चेत्तलात् सा.वि.खण्ड	85.88	89.87	81.46	85.88	89.87	81.46	--	--	--
बित्र द्वीप	84.62	86.47	81.33	84.62	86.47	81.33	--	--	--
चेत्तलात् द्वीप	86.02	90.32	81.47	86.02	90.32	81.47	--	--	--
किल्तन सा.वि.खण्ड	83.68	88.96	78.42	83.68	88.96	78.42	--	--	--
कटमत्त् सा.वि. खण्ड	90.40	94.24	86.44	90.40	94.24	86.44	--	--	--
अमिनि सा.वि.खण्ड	84.26	92.46	75.95	--	--	--	84.26	92.46	75.95
अगत्ती सा.वि.खण्ड	88.50	94.27	82.08	88.50	94.27	82.08	--	--	--
बंगारम द्वीप	98.33	98.08	100.00	98.33	98.08	100.00	--	--	--
अगत्ती द्वीप	88.40	94.21	82.03	88.40	94.21	82.03	--	--	--
कवरत्ती सा.वि.खण्ड	88.26	93.55	81.65	--	--	--	88.26	93.55	81.65
आन्त्रोत्त् सा.वि.खण्ड	84.74	92.57	76.90	84.74	92.57	76.90	--	--	--
कल्पेनी सा.वि.खण्ड	84.72	92.23	76.02	84.72	92.23	76.02	--	--	--
मिनिकोयी सा.वि.खण्ड	93.01	95.30	90.86	--	--	--	93.01	95.30	90.86

सारणी-6

जनसंख्या, दशकीय वृद्धि प्रतिशत 1991-2001, लिंग वार लिंग अनुपात, साक्षरता दर
सं.रा.क्षेत्र में आकार वर्ग वार न.स., नगर एवं कस्बे-2001

आकार,वर्ग और नगरीय समूह/नगर/ कस्बा का नाम	नगर/कस्बा की नागरिक अवस्थिति	जिला	जनसंख्या			दशकीय वृद्धि का प्रतिशत 1991-2001	लिंग अनुपात	साक्षरता दर		
			व्यक्ति	पुरुष	स्त्री			व्यक्ति	पुरुष	स्त्री
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
सभी वर्ग		**लक्षद्वीप**	**26,948**	**13,922**	**13,026**	**-7.44**	**936**	**88.89**	**93.85**	**83.6**
1. वर्ग I (100,000 और उससे अधिक)		--	--	--	--	--	--	--	--	--
2. वर्ग II (50,000-99,999)		--	--	--	--	--	--	--	--	--
3. वर्ग III (20,000-49,999)		--	--	--	--	--	--	--	--	--
4. वर्ग IV (10,000-19,999)										
(1) कवरत्ती	ज क	लक्षद्वीप	10,113	5,579	4,534	16.55	813	88.26	93.55	81.65
5. वर्ग V (5,000-9,999)										
(1) अमिनि	ज क	लक्षद्वीप	7,340	3,727	3,613	13.85	969	84.26	92.46	75.95
(2) मिनिकोयी	ज क	लक्षद्वीप	9,495	4,616	4,879	14.12	1,057	93.01	95.30	90.86
6 वर्ग VI (5000 से कम)		--	--	--	--	--	--	--	--	--

टिप्पणी : 1. लक्षद्वीप में केवल एक ही जिला होने के कारण संघ राज्य क्षेत्र और उसी जिला के आँकड़े एक ही होते हैं ।
2. लक्षद्वीप मे कोई नगर समूह या नगर नहीं होता है ।

सारणी-6 का परिशिष्ट-1

लिंग वार जनसंख्या, 0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या और साक्षर-वर्णानुक्रम में क्रमबद्ध स्वतंत्र नगर और कस्बे, 2001

नगर/कस्बे का नाम	नगर/कस्बे की नागरिक अवस्थिति	जिला	जनसंख्या			0-6 आयु वर्ग की शिशु जनसंख्या			साक्षर		
			व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	व्यक्ति	पुरुष	स्त्री
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अमिनि	ज क	लक्षद्वीप	7,340	3,727	3,613	1,122	599	523	5,239	2,892	2,347
कवरत्ती	ज क	लक्षद्वीप	10,113	5,579	4,534	1,175	614	561	7,889	4,645	3,244
मिनिकोयी	ज क	लक्षद्वीप	9,495	4,616	4,879	1,129	571	558	7,781	3,855	3,926

ज क : जनगणना कस्बा

सारणी-6 का परिशिष्ट-2

2001 में अवर्गीकृत 1991 के कस्बे और 2001 में अन्य कस्बों के साथ जोडे गये 1991 के कस्बों की सूची

अवर्गीकृत कस्बे					जोडे गये कस्बे				
कस्बे का नाम	1991 में कस्बों की नागरिक अवस्थिति	जिला	अगर नगरीय समूह संघटक है तो, उसका नाम	जनसंख्या-1991	कस्बे का नाम	1991 में कस्बों की नागरिक अवस्थिति	जनसंख्या-1991	जिसके साथ जोडे गये नगर/कस्बा का नाम (अगर नगर समूह संघटक है तो, उस नगर समूह का नाम)	जिला
अगत्ती	ज क	लक्षद्वीप	--	5,670	--	--	--	--	--

सारणी-7

नगरीय जनसंख्या की वृद्धि,1981-2001

न.स./नगर/ कस्बा का आकार-वर्ग	न.स/कस्बे* की संख्या			जनसंख्या			आकार-वर्ग में प्रति जनसंख्या प्रतिशत			दशकीय वृद्धि प्रतिशत	
	1981	1991	2001	1981	1991	2001	1981	1991	2001	1981-1991	1991-2001
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सभी वर्ग	**3**	**4**	**3**	**18,629**	**29,114**	**26,948**	**100.00**	**100.00**	**100.00**	**56.28**	**-7.44**
वर्ग I	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
वर्ग II	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
वर्ग III	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
वर्ग IV	--	--	1	--	--	10,113	--	--	37.53	--	--
वर्ग V	3	4	2	18,629	29,114	16,835	100.00	100.00	62.47	56.28	-7.44
वर्ग VI	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

टिप्पणी : * जनगणना कस्बे

दशकीय जनगणना 1981-1991 के संबंध में 1981 जनगणना तथा 1991-2001 के विषय में 1991 जनगणना की जनसंख्या के आकार-वर्ग के अनुसार अन्तर जनगणना वृद्धि दर का आकलन किया गया

विवरणियाँ

विवरणी-1

जनसंख्या का ग्रामीण-नगरीय वितरण-भारत और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र:2001

क्रमांक	भारत/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*	यो/ग्रा/न	जनसंख्या			नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत
			व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	
1	2	3	4	5	6	7
	भारत	यो	1,027,015,247	531,277,078	495,738,169	27.78
		ग्रा	741,660,293	381,141,184	360,519,109	
		न	285,354,954	150,135,894	135,219,060	
	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*					
1	जम्मू व काश्मीर	यो	10,069,917	5,300,574	4,769,343	24.88
		ग्रा	7,564,608	3,925,846	3,638,762	
		न	2,505,309	1,374,728	1,130,581	
2	हिमाचल प्रदेश	यो	6,077,248	3,085,256	2,991,992	9.79
		ग्रा	5,482,367	2,754,251	2,728,116	
		न	594,881	331,005	263,876	
3	पंजाब	यो	24,289,296	12,963,362	11,325,934	33.95
		ग्रा	16,043,730	8,500,647	7,543,083	
		न	8,245,566	4,462,715	3,782,851	
4	चंडीगढ*	यो	900,914	508,224	392,690	89.78
		ग्रा	92,118	56,837	35,281	
		न	808,796	451,387	357,409	
5	उत्तरांचल	यो	8,479,562	4,316,401	4,163,161	25.59
		ग्रा	6,309,317	3,143,380	3,165,931	
		न	2,170,245	1,173,021	997,224	
6	हरियाणा	यो	21,082,989	11,327,658	9,755,331	29.00
		ग्रा	14,968,850	8,017,622	6,951,228	
		न	6,114,139	3,310,036	2,804,103	
7	दिल्ली	यो	13,782,976	7,570,890	6,212,086	93.01
		ग्रा	963,215	533,219	429,996	
		न	12,819,761	7,037,671	5,782,090	
8	राजस्थान	यो	56,473,122	29,381,657	27,091,465	23.38
		ग्रा	43,267,678	22,394,479	20,873,199	
		न	13,205,444	6,987,178	6,218,266	
9	उत्तर प्रदेश	यो	166,052,859	87,466,301	78,586,558	20.78
		ग्रा	131,540,230	69,096,765	62,443,465	
		न	34,512,629	18,369,536	16,143,093	
10	बिहार	यो	82,878,796	43,153,964	39,724,832	10.47
		ग्रा	74,199,596	38,510,686	35,688,910	
		न	8,679,200	4,643,278	4,035,922	
11	सिक्किम	यो	540,493	288,217	252,276	11.10
		ग्रा	480,488	255,386	225,102	
		न	60,005	32,831	27,174	
12	अरुणाचल प्रदेश	यो	1,091,117	573,961	517,166	20.41
		ग्रा	868,429	453,560	414,869	
		न	222,688	120,391	102,297	

क्रमांक	भारत/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*	या/ग्रा/न	जनसंख्या			नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत
			व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	
1	2	3	4	5	6	7
13	नागालैंड	यो	1,988,636	1,041,686	946,950	17.74
		ग्रा	1,635,815	846,651	789,164	
		न	352,821	195,035	157,786	
14	मणिपुर	यो	2,388,634	1,207,338	1,181,296	23.88
		ग्रा	1,818,224	923,428	894,796	
		न	570,410	283,910	286,500	
15	मिज़ोरम	यो	891,058	459,783	431,275	49.50
		ग्रा	450,018	233,718	216,300	
		न	441,040	226,065	214,975	
16	त्रिपुरा	यो	3,191,168	1,636,138	1,555,030	17.02
		ग्रा	2,648,074	1,359,288	1,288,786	
		न	543,094	276,850	266,244	
17	मेघालय	यो	2,306,069	1,167,840	1,138,229	19.63
		ग्रा	1,853,457	939,803	913,654	
		न	452,612	228,037	224,575	
18	असम	यो	26,638,407	13,787,799	12,850,608	12.72
		ग्रा	23,248,994	11,983,157	11,265,837	
		न	3,389,413	1,804,642	1,584,771	
19	पश्चिम बंगाल	यो	80,221,171	41,487,694	38,733,477	28.03
		ग्रा	57,734,690	29,606,028	28,128,662	
		न	22,486,481	11,881,666	10,604,815	
20	झारखण्ड	यो	26,909,428	13,861,277	13,048,151	22.25
		ग्रा	20,922,731	10,660,430	10,262,301	
		न	5,986,697	3,200,847	2,785,850	
21	उड़ीसा	यो	36,706,920	18,612,340	18,094,580	14.97
		ग्रा	31,210,602	15,711,853	15,498,749	
		न	5,496,318	2,900,487	2,595,831	
22	छत्तीसगढ	यो	20,795,956	10,452,426	10,343,530	20.08
		ग्रा	16,620,627	8,290,983	8,329,644	
		न	4,175,329	2,161,443	2,013,886	
23	मध्यप्रदेश	यो	60,385,118	31,456,873	28,928,245	26.67
		ग्रा	44,282,528	22,975,256	21,307,272	
		न	16,102,590	8,481,617	7,620,973	
24	गुजरात	यो	50,596,992	26,344,053	24,252,939	37.35
		ग्रा	31,697,615	16,289,423	15,408,192	
		न	18,899,377	10,054,630	8,844,747	
25	दमन व दीप	यो	158,059	92,478	65,581	36.26
		ग्रा	100,740	63,576	37,164	
		न	57,319	28,902	28,417	
26	दादरा व नगर हवेली	यो	220,451	121,731	98,720	22.89
		ग्रा	169,995	91,887	78,108	
		न	50,456	29,844	20,612	

क्रमांक	भारत/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*	यो/ग्रा/न	जनसंख्या			नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत
			व्यक्ति	पुरुष	स्त्री	
1	2	3	4	5	6	7
27	महाराष्ट्र	यो	96,752,247	50,334,270	46,417,977	42.40
		ग्रा	55,732,513	28,443,238	27,289,275	
		न	41,019,734	21,891,032	19,128,702	
28	आन्ध्र प्रदेश	यो	75,727,541	38,286,811	37,440,730	27.08
		ग्रा	55,223,944	27,852,179	27,371,765	
		न	20,503,597	10,434,632	10,068,965	
29	कर्नाटक	यो	52,733,958	26,856,343	25,877,615	33.98
		ग्रा	34,814,100	17,618,593	17,195,507	
		न	17,919,858	9,237,750	8,682,108	
30	गोवा	यो	1,343,998	685,617	658,381	49.77
		ग्रा	675,129	339,626	335,503	
		न	668,869	345,991	322,878	
31	लक्षद्वीप	यो	60,595	31,118	29,477	44.47
		ग्रा	33,647	17,196	16,451	
		न	26,948	13,922	13,026	
32	केरल	यो	31,838,619	15,468,664	16,369,955	25.97
		ग्रा	23,571,484	11,450,785	12,120,699	
		न	8,267,135	4,017,879	4,249,256	
33	तमिलनाडु	यो	62,110,839	31,268,654	30842,185	43.86
		ग्रा	34,869,286	17,508,985	17,360,301	
		न	27,241,553	13,759,669	13,481,884	
34	पॉडिच्चेरी	यो	973,829	486,705	487,124	66.57
		ग्रा	325,596	163,586	162,010	
		न	648,233	323,119	325,114	
35	आण्डमन व निकोबार	यो	356,265	192,985	163,280	32.67
	द्वीप समूह	ग्रा	239,858	128,837	111,021	
		न	116,407	64,148	52,259	

टिप्पणी : 1 भारत की कुल, ग्रामीण और नगरीय जनसख्या में गुजरात राज्य के जामनगर जिले के जोदिया तालुक राजकोट जिले के मालिया-मियाना, मोरवि और वॉगनेयर तालुक, समूचे कच्च जिले की अनुमानित कुल, ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या तथा हिमाचल प्रदेश के समूचे किनौर जिले की अनुमानित कुल एव ग्रामीण जनसंख्या शामिल हैं जहाँ प्राकृतिक विक्षोभों के कारण भारत की जनगणना 2001 से संबंधित जनसंख्या की गणना कर न सके ।

2. हिमाचल प्रदेश राज्य की कुल ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या के ऑकड़े समूचे किनौर जिले की अनुमानित कुल और ग्रामीण जनसंख्या को शामिल करके प्राप्त हुए हैं कि यहाँ प्राकृतिक विक्षेभो के कारण भारत की *जनगणना 2001 में जनसंख्या की गणना कर न सके ।*

3. गुजरात राज्य की कुल ग्रामीण एवं नगरीय जनसंख्या के आँकड़े जामनगर जिले के जोदिया तालुक राजकोट जिले के मोरवि, मालिया-मियाना एवं वॉगनेयर तालुक, कच्च जिले की अनुमानित कुल, ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या को शामिल करके प्राप्त है कि यहाँ प्राकृतिक विक्षोभ के कारण जनगणना 2001 की जनसंख्या की गणना कर न सके ।

विवरणी-2

कानूनी और जनगणना कस्बों की संख्या, 1991 और 2001

संघ राज्य क्षेत्र/ जिला	1991			2001		
	कानूनी कस्बे	जनगणना कस्बे	कुल	कानूनी कस्बे	जनगणना कस्बे	कुल
1	2	3	4	5	6	7
लक्षद्वीप	--	4	4	--	3	3
लक्षद्वीप जिला	--	4	4	--	3	3

विवरणी-3

नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वार जिलों का श्रेणीकरण, 1991 और 2001

2001 की श्रेणी	सा.वि.खण्ड	नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत		1991 की श्रेणी
		2001	1991	
1	2	3	4	5
1	कवरत्ती	37.53	29.80	1
2	मिनिकोयी	35.23	28.58	2
3	अमिनि	27.24	22.14	3
--	अगत्ती*	--	19.48	4

* 1991 में अगत्ती द्वीप को जनगणना कस्बे के रूप में माना गया था, लेकिन 2001 में अवर्गीकृत किया गया ।

विवरणी-4

नगरीकरण की प्रवृत्तियॉ, 1901-2001

जनगणना वर्ष	न स /कस्बों की कुल संख्या	कुल जनसंख्या	कुल नगरीय जनसंख्या	नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	दशकीय वृद्धि		वार्षिक घांतीय वृद्धि दर (नगरीय)
					पूर्ण	प्रतिशत	
1	2	3	4	5	6	7	8
1901	--	13,882	--	--	--	--	--
1911	--	14,555	--	--	--	--	--
1921	--	13,637	--	--	--	--	--
1931	--	16,040	--	--	--	--	--
1941	--	18,355	--	--	--	--	--
1951	--	21,035	--	--	--	--	--
1961	--	24,108	--	--	--	--	--
1971	--	31,810	--	--	--	--	--
1981	3	40,249	18,629	46.28	--	--	--
1991	4	51,707	29,114	56.31	10,485	56.28	4.46
2001	3	60,595	26,948	44.47	-2,166	-7.44	-0.77

फोटोग्राफ्स

2001 जनगणना के पेपर-1 के विमोचन के सिलसिले में प्रशासक, गणमान्य व्यक्तियों और लक्षद्वीप प्रशासन के विभाग अध्यक्षों का स्वागत करते हुए श्री मल्लिकार्जुना, उप निदेशक

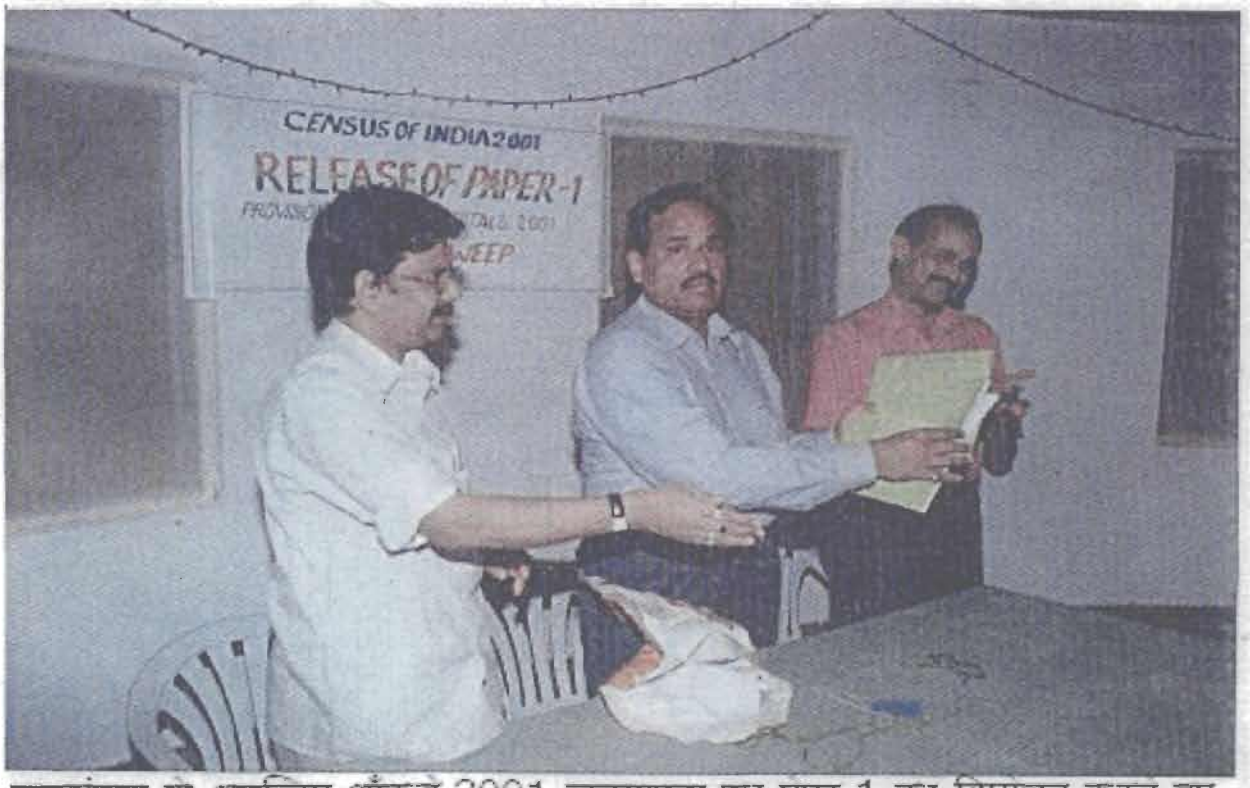

जनसंख्या के अनन्तिम आँकड़े-2001 जनगणना का पपर-1 का विमोचन करते हुए श्री के.एस.मेहरा, भ प्र से

2001 का पेपर-1 के विमोचन के बाद लक्षद्वीप के प्रशासक, जनसंख्या के महत्वपुर्ण आँकड़ों के संक्षिप्त विवरण देते हुए

श्री के.एस.मेहरा, भा.प्र.से, प्रशासक श्री आर.के.वर्मा, भा.प्र.से, जनगणना निदेशक और श्री टी.एम.बालकृष्णन, मुख्य जनगणना अधिकारी से विचार विमर्श कर रहे हैं।

2001 की जनगणना, लक्षद्वीप के प्रथम जनगणना प्रकाशन के विमोचन के दौरान संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के विभाग अध्यक्षगण के साथ निदेशक श्री आर.के.वर्मा, भा.प्र.से. प्रधान जनगणना अधिकारी श्री टी. एम. बालकृष्णन, और उप निदेशक श्री मल्लिकार्जुन ।

2001 की जनगणना, लक्षद्वीप का पेपर-1 के विमोचन के अवसर पर लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक श्री के.एस.मेडरा के साथ जनगणना अधिकारीगण एवं पदधारीगण